हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 21 जनवरी 2025

तापमान
अधिकतम 30.8 डिग्री
न्यूनतम 13.1 डिग्री

जानिए किस महाविद्यालय में क्या रहेगी स्थिति

साइंस कॉलेज : अर्थशास्त्र और भूगोल
महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा किसी भी नवीन पाठ्यक्रम के लिए आवेदन नहीं भेजा गया है। यहां विज्ञान और मैथ्स ग्रुप के अंतर्गत कई कॉम्बिनेशन में बीएससी और एमएससी पाठ्यक्रम का संचालन होता है। इन पाठ्यक्रमों में ही मारामारी की स्थिति रहती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स के तहत अर्थशास्त्र और भूगोल का विकल्प दिया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को अन्य विकल्प नए सत्र में नहीं मिलेंगे।

डिग्री गर्ल्स कॉलेज : यहां भी नए कोर्स नहीं
शहर के सबसे बड़े कन्या महाविद्यालय में भी नया पाठ्यक्रम संचालित नहीं होगा। यहां परंपरागत पाठ्यक्रम जैसे-बीए, बीकॉम, बीएससी को लेकर लड़कियों में क्रेज रहता है। पीजीडीसीए, बीपीएड सहित स्नातकोत्तर स्तर के भी सभी पाठ्यक्रम में विद्यार्थी मिल जाते हैं। पहले ही आवेदनों का ओवरफ्लो है, इसलिए नए कोर्स यहां भी नहीं खुल रहे हैं।

छग कॉलेज : वर्तमान सत्र से बीएएलएलबी
छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से बीएएलएलबी पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई थी। नए सत्र के लिए किसी भी कोर्स के लिए उच्च शिक्षा विभाग को अब तक खत नहीं लिखा गया है।

दुर्गा महाविद्यालय : पहले ही मारामारी
दुर्गा महाविद्यालय में भी प्रवेश के लिए मारामारी की स्थिति प्रत्येक वर्ष निर्मित रहती है। नए सत्र में किसी भी नए कोर्स संचालन के लिए आवेदन नहीं गया है।

रिपोर्ट कार्ड : सरकारी कॉलेज एनईपी में उलझे, सिर्फ प्राइवेट ने ही दी नए कोर्स के लिए अर्जी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में शहर के किसी भी शीर्ष शासकीय महाविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रम की सौगात छात्रों को नहीं मिलेगी। ऑटोनॉमस महाविद्यालयों में पहले ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा चुकी थी, जबकि अन्य शासकीय और निजी महाविद्यालयों में वर्तमान शैक्षणिक सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। इसके अंतर्गत वार्षिक परीक्षा पद्धति के स्थान पर सेमेस्टर आधार पर परीक्षाएं हो रही हैं तथा छात्रों को अपने संकाय के बाहर के विषय चुनने की भी छूट दी गई है।

इन व्यवस्थाओं में ही जिले के अधिकतर शासकीय महाविद्यालय उलझे हुए हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि नए सत्र में किसी भी ▶▶ शेष पेज 13 पर

एनईपी में अधिकतर नई चीजें
राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अधिकतर नई चीजें ही हैं। इसे ही उचित रूप से लागू करने पर फोकस है। नवीन पाठ्यक्रम फिलहाल शुरू नहीं कर रहे हैं।
- **डॉ.किरण गजपाल,** प्राचार्य, डिग्री गर्ल्स कॉलेज

खेल और आईटी आधारित कोर्स
महाविद्यालय में अब तक खेल आधारित पाठ्यक्रम नहीं थे। हमने बीपीएड सहित बीबीए और बीएससी के लिए आवेदन दिए हैं।
- **डॉ. संगीता घई,** प्राचार्य, डागा गर्ल्स कॉलेज

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नए पाठ्यक्रम की शुरुआत के लिए निरीक्षण का सिलसिला

कंप्यूटर आधारित पाठ्यक्रम
यूथ में आईटी सेक्टर का ट्रेंड है, इसलिए हमने इससे संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन दिए हैं। प्रक्रिया चल रही है। नए सत्र से नए कोर्स छात्रों को उपलब्ध कराएंगे।
- **डॉ. देवाशीष मुखर्जी,** प्राचार्य महंत महाविद्यालय

पहले ही मारामारी
महाविद्यालय में संचालिए पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए मारामारी की स्थिति प्रत्येक वर्ष रहती है। इस स्थिति में नवीन पाठ्यक्रम के लिए हमने आवेदन नहीं दिया है। प्रमुख पाठ्यक्रम यहां पहले से ही संचालित हैं।
- **प्रो. प्रोतिभा मुखर्जी,** प्राचार्य दुर्गा महाविद्यालय

खबर संक्षेप

बलौदाबाजार हिंसा में निलंबित तत्कालीन कलेक्टर-डीआईजी बहाल

रायपुर। बलौदाबाजार में कलेक्टोरेट दफ्तर में आगजनी और उपद्रव के मामले निलंबित तत्कालीन कलेक्टर केएल चौहान को बिलासपुर में अपर संभागीय आयुक्त के साथ राजस्व मंडल की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। साथ ही तत्कालीन एसपी सदानंद कुमार को पीएचक्यू में डीआईजी बनाया गया है। जांच रिपोर्ट में क्लीन चिट मिलने के बाद कलेक्टर और डीआईजी को राज्य सरकार ने बहाल किया है।

सौ से ज्यादा म्यूल अकाउंट होल्डर पर एफआईआर
रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर रेंज साइबर पुलिस ने समन्वय पोर्टल की जांच के बाद म्यूल अकाउंट, जिसका इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए किया जाता है, पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उत्कर्ष स्माल फायनेंस बैंक के 104 खाताधारकों के खिलाफ रेंज साइबर पुलिस ने साइबर ठगी का अपराध दर्ज किया है। चिन्हांकित बैंक खातों से 36 लाख 48 हजार रुपए ठगी की रकम जमा होना पाया गया।

स्टील कारोबारी से लेबर सप्लाई के नाम पर ठगी

रायपुर। गंज पुलिस ने लेबर सप्लाई के नाम पर 47 लाख रुपए ठगी करने के आरोप में मुंबई के एक जालसाज को गिरफ्तार किया है। लेबर सप्लाई करने के नाम पर ठगी करने के आरोप में पुलिस ने अफजल अली को गिरफ्तार किया है। अफजल के खिलाफ स्टील कारोबारी राहुल कुमार गर्ग ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। राहुल ने पुलिस को बताया कि उसे अपने कारोबार के लिए मजदूरों की जरूरत थी, इसलिए उसने अफजल से संपर्क किया। अफजल ने लेबर उपलब्ध कराने का झांसा देकर विगत 8 नवंबर से 25 नवंबर के बीच किस्तों में रकम हासिल कर लेबर उपलब्ध नहीं कराए।

जिस परिवार में शादी की खुशियां बिखरने वाली थीं, जानलेवा मांझे ने मातम में बदल दिया

पुष्कर की मौत से परिवार गमगीन दादा-दादी बेसुध, मां के आंसू थम नहीं रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

निरपराध लोगों की मौत का कारण बने चाइनीज मांझा से सात वर्षीय मासूम पुष्कर की मौत के दर्दनाक हादसे से परिजन अब तक उबर नहीं पा रहे हैं। घटना के दूसरे दिन सोमवार को घंटों इंतजार के बाद दोपहर में ही शव का पोस्टमार्टम हो पाया। पोस्टमार्टम के बाद परिजन अपने लाल को अपने पैतृक गांव जोरा के पास स्थित नरदहा गांव लेकर गए, जहां देर शाम पुष्कर का अंतिम संस्कार किया गया। घर में मासूम की लाश देख उसकी मां, दादी तथा दादा बेसुध हो गए। बच्चे की मां, दादा-दादी को ढाढस बंधाने वाले सिसकते नजर आए। अंतिम संस्कार के पूर्व जरूरी धार्मिक नियमों के अनुसार प्रक्रिया करने के बाद पुष्कर का अंतिम संस्कार करने गांव के पास ही मुक्तिधाम ले गए। यह विडंबना ही है कि जिस परिवार में अगले माह दो शादियों की शहनाई बजने वाली थी, वहां मातम पसर गया है।

पुष्कर के पिता के बड़े भाई अनिल साहू ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि पुष्कर को उसके पापा सैर कराने ले जाने के मूड में नहीं थे। बालहठ के आगे विवश होकर धनेश को अपने बेटे की जिद के आगे झुकना पड़ा। चाइनीज मांझे से धनेश की बाह में भी जख्म हुआ है। ▶▶ शेष पेज 13 पर

घूमने जाने की बात से हो गया था खुश
अनिल साहू के अनुसार उसके छोटे भाई ने अपने बेटे को गार्डन ले जाने के लिए पहले मना कर दिया था। जिद करने पर धनेश अपने बेटे को गार्डन ले जाने तैयार हुआ। इसके बाद पुष्कर प्रफुल्लित हो गया था। उसने अपने पिता को गार्डन में अच्छे-अच्छे चीजें खिलाने की डिमांड की था। धनेश भी अपने बेटे की खुशी को देखते हुए उसके तथा उसके बड़े भाई के लिए अच्छा खाने का आयटम लाने की बात कह पुष्कर को अपने साथ गार्डन ले जाने के लिए निकला। इस दौरान टिकरापारा से संजय नगर जाने वाले मार्ग पर दुखद हादसा हो गया।

शादी की तैयारी में जुटे थे परिजन
अनिल ने बताया कि वे लोग संयुक्त परिवार में रहते हैं। अगले महीने फरवरी में अनिल के छोटे भाई तथा बहन की शादी होनी है। इसके लिए परिवार के सभी लोग शादी की तैयारी में जुटे हुए थे। बच्चे की मौत की खबर मिलने के बाद परिजन सदमे में हैं, उन्हें अब भी पुष्कर की मौत पर यकीन नहीं हो रहा है।

पोस्टमार्टम के लिए सुबह से भटकते रहे
पुष्कर की मौत के बाद धनेश की इतनी हिम्मत नहीं हुई कि वह अपने घर जाए। धनेश अपने भाई अनिल सहित अन्य को घटना की जानकारी देने के बाद पूरी रात अस्पताल परिसर तथा मरच्यूरी के आसपास भटकता रहा। सुबह 7 बजे से धनेश अपने बेटे की लाश लेने मरच्यूरी में तैनात कर्मियों से जल्द पोस्टमार्टम करने गुहार लगाता रहा।

पुलिस ने कहा- हम कुछ नहीं कर सकते
अनिल के अनुसार घटना के बाद उन लोगों ने टिकरापारा थाना में चाइनीज मांझा से पतंग उड़ाने वाले लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की तथा अपने बच्चे के चाइनीज मांझा से गला कटने की जानकारी पुलिस को दी। अनिल ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें कहा, चाइनीज मांझा से बच्चे का गला कटने की घटना की जांच करना पुलिस का काम नहीं है।

5 सालों में चाइनीज मांझे विक्रेताओं पर कार्रवाई नहीं, इधर हर साल सड़कों पर आधा दर्जन हादसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- मासूम की मौत के बाद पतंग दुकानों पर लगा ताला, कार्रवाई के डर से झिल्ली में छिपाकर बेचा मांझा

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से रविवार को 7 साल के मासूम की दर्दनाक मौत के बाद सोमवार को शहर के ज्यादातर पतंग दुकानों में ताला लगा रहा है। बूढ़ा तालाब स्थित एक दुकान में शटर बंद कर दिनभर पतंग और मांझा बेचते रहे। किसी को पता न चले इसलिए बच्चों को झिल्ली में छिपाकर मांझा बेचते हुए नजर आए। कार्रवाई के डर से पतंग विक्रेता गायब रहे। पुलिस और निगम ने दुकानों पर एक साथ जांच व कार्रवाई करने पहुंची। हरिभूमि ने जब चाइनीज मांझे को लेकर पड़ताल की तो पता चला राजधानी में चाइनीज मांझे से हर साल 8 से 10 लोग घायल होते हैं।

मकर संक्रांति में 10 लाख तक मांझे का बाजार
निगम की जांच में पतंग दुकानों से प्रतिबंधित मांझे मिले हैं। इससे पहले निगम ने दुकानों पर जांच करने नहीं पहुंची थी। इस वजह से शहर में खुलेआम ऐसे मांझे की बिक्री होती है। बता दें कि हर साल मकर संक्रांति में राजधानी में 10 लाख से अधिक मांझे की बिक्री होती है। प्रतियोगिता के लिए दूसरे राज्यों से भी चाइनीज मांझे आते हैं। बाजार में इसकी मांग अधिक रहती है। इसकी कीमत 300 से 500 तक है, जो आसानी से दुकानों में मिल जाते हैं। कार्रवाई नहीं होने से पतंग विक्रेता भी बिना डरे से दुकानों में इसे बेचते हैं।

पर्यावरण विभाग की स्वीकृति बगैर फर्शी खदान में चल रहा था अवैध खनन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- महानदी के बैराज में मलबा फेंकने की शिकायत के बाद खनिज विभाग की टीम ने की जांच-कार्रवाई

रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र में महानदी के किनारे बैराज में फर्शी पत्थरों का मलबा फेंके जाने के मामले में खनिज विभाग की टीम ने हाल ही में ग्राम निसदा में फर्शी पत्थर खदानों की जांच कर कार्रवाई की है। इस जांच में वैध रूप से संचालित खदानों में जहां पर्यावरण विभाग के नियमों का पालन नहीं करना पाया गया, वहीं एक खदान में बगैर पर्यावरण विभाग की अनुमति के उत्खनन और परिवहन किए जाने का काम चल रहा था। विभाग ने बगैर पर्यावरण अनुमति के संचालित खदान बंद कराने के साथ महानदी के बैराज में फेंके जा रहे मलबे के मामले को गंभीरता से लेते हुए अन्य खदानों के पट्टेधारियों को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जांच के बाद करेंगे कार्रवाई
महानदी में फर्शी खदानों का मलबा फेंका जा रहा था। इसकी पुष्टि जांच में हुई है। संचालित सभी खदानों के पट्टेदारों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का जवाब आने और जांच पूरी होने तक खदानों को बंद कराया है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।
- **केके गोलघाटे,** उप संचालक खनिज विभाग रायपुर

आदेश की प्रतीक्षा में रुकीं झांकियां, जारी होगा सर्कुलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- 26 जनवरी को पुलिस परेड के बीच झांकियों के प्रदर्शन में पेंच

पुलिस परेड मैदान में गणतंत्र दिवस के मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा सजाई जाने वाली झांकियों की श्रृंखला भी चुनावी प्रक्रिया के चलते फंसी है। जहां हर साल पखवाड़ेभर पहले झांकियों की थीम तय करने के साथ ही बनाने के लिए कलाकारों को गाइड लाइन के तहत काम पर भी लगा दिया जाता था। इस बार आदेश के इंतजार में अभी तक झांकी बनाने का सिलसिला शुरू नहीं हुआ है। प्रदेश की राजधानी होने के नाते तमाम शासन-प्रशासन के लोग रायपुर में ही हैं। इनकी खास मौजूदगी में हर साल 26 जनवरी को सिविल लाइन में होने वाले झंडा वंदन के बाद अलग-अलग विभागों द्वारा विभिन्न थीम पर आकर्षक झांकियों की श्रृंखला सजाने की परंपरा रही है। इसका शहर के लोग हर साल इंतजार करते हैं।

एक दिन पहले बनती है सूची
लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित झांकियों को सजाने की तैयारी होने वाली है। सूत्रों से पता चला है कि जल्द ही इसके लिए गाइड लाइन विभागों को मिलने वाला है। समस्या यह है कि बचे हुए 4 से 5 दिन में जिन विभागों को आदेश और थीम दिया जाएगा, वे झांकी कैसे बना पाएंगे। मसौदा यह भी है कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस परेड मैदान में सजाई जाने वाली झांकी की अंतिम सूची संस्कृति विभाग को एक दिन पहले यानी 25 की सुबह तक देने का प्रावधान है।

बस्तर तक इस बार नहीं पहुंची ठंडी हवा

उत्तरी हिस्से में अभी ठंड बाकी, पर सर्द रात की उम्मीद कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जनवरी के महीने में इस बार ठंडी हवा का झोंका सही तरीके से बस्तर तक नहीं पहुंच पाया। अब दक्षिण और मध्य में न्यूनतम तापमान के 13 डिग्री से नीचे जाने की संभावना बेहद कम है। उत्तरी इलाके में ठंड का मौसम बाकी है, मगर सर्द रात की वापसी होने की गुंजाइश कम है।

विशेषज्ञों की मानें तो प्रदेश में अब एक से दो डिग्री वाली ठंड पड़ने की संभावना काफी कम है। न्यूनतम तापमान अब चार से पांच डिग्री अथवा उससे ऊपर ही रहने की संभावना है। रायपुर समेत मध्य इलाके में औसत तापमान 13-14 डिग्री के इर्द-गिर्द ही घूमने की

संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार जगदलपुर कड़ाके की ठंड का इंतजार करता रह गया। अभी आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से छाने वाले बादलों की वजह से न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अगले चौबीस घंटे में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं, मगर न्यूनतम तापमान बढ़ते क्रम में रहेगा।

आठ माह बाद संस्कृत विद्यामंडल को मिला सचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जुगल किशोर अग्रवाल संस्कृत विद्यामंडल के नए सचिव होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिया गया है। इसके पूर्व लोक शिक्षण संचालनालय में संयुक्त

संचालक के पद पर कार्यरत राकेश पांडेय को डीपीआई के साथ-साथ संस्कृत विद्यामंडल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया था। आदेश के बाद अब संस्कृत विद्यामंडल को आठ माह पश्चात नया सचिव मिला है। मई 2024 में हरिभूमि द्वारा टॉपर्स कांड के खुलासे पश्चात तत्कालीन सचिव अल्का दानी को उनके पद से हटाया गया था।

एक मार्च से हैं परीक्षाएं
नवीन सचिव की नियुक्ति संबंधित आदेश शनिवार को जारी किया गया। वहीं सोमवार को आचार संहिता लागू किए जाने की घोषणा कर दी गई है। ऐसे में उनके कार्यभार करने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, उनके स्थान पर माशिम को नया उप-सचिव प्रदान नहीं किया गया है।

सत्रांत होते-होते स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की स्थिति खस्ताहाल

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैय्या... स्कूलों के पास बिजली बिल पटाने कौड़ी नहीं, सैकड़ों अर्जी के बाद मिले एक लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

- कई स्कूलों में इस बार वार्षिकोत्सव और खेलकूद स्पर्धा का आयोजन नहीं

प्रदेश के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की स्थिति सत्र अंत होते-होते और अधिक खस्ताहाल होती जा रही है। नई सरकार आने के बाद स्वामी आत्मानंद विद्यालयों को पूर्व की तरह मिलने वाली आकस्मिक निधि राशि बंद की जा चुकी है। पांच लाख की जगह उन्हें 79 हजार रुपए ही प्रदान किए गए। यह राशि दिसंबर अंत में प्रदान की गई थी। इसके पश्चात एक लाख रुपए की राशि विद्यालयों को जनवरी में बिजली बिल भुगतान के लिए प्रदान की गई है। अधिकतर स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में सत्र की शुरुआत से ही बिजली बिल का भुगतान नहीं किया गया है।

छात्रों को इनकार
जिले के कई विद्यालयों में अब तक वार्षिकोत्सव का आयोजन नहीं हो सका है। प्री बोर्ड के बाद बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन होगा। ऐसे में इस बार वार्षिकोत्सव की संभावना नहीं है। कई विद्यालयों में छात्र वार्षिकोत्सव के आयोजन की अर्जी लेकर प्राचार्य के पास गए थे, लेकिन उन्हें फंड सहित परीक्षाओं का हवाला देते हुए इनकार कर दिया गया है।

...इसलिए आमदनी नहीं
अन्य शासकीय विद्यालयों में छात्रों से वार्षिक विकास निधि के अंतर्गत निर्धारित राशि ली जाती है। किसी भी शासकीय विद्यालय में यह राशि 500-1000 रुपए से अधिक नहीं होती है, लेकिन छात्र संख्या अधिक होने के कारण इतनी राशि एकत्र हो जाती है कि पूरे सत्र का मेंटेनेंस सहित अन्य गतिविधियों की व्यवस्था हो जाती है। स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में पूर्व सरकार द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत छात्र विकास निधि भी नहीं ली जाती है अर्थात विद्यार्थियों से एक रुपए भी शुल्क नहीं लिया जाता है। इसके स्थान पर 5 लाख रुपए आकस्मिक निधि के अंतर्गत प्रदान किए जाते थे, जिसमें अब कटौती कर दी गई है। यही वजह है कि यहां तंगहाली छा गई है।

एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज
छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारंभ
सीमित सीटे
उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स
- ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन
- पैथोलॉजी लैब टेक्निशियन
- एक्स-रे टेक्निशियन
सरकारी नौकरी हेतु मान्यता प्राप्त कोर्स
काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604
चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

अमर शहीद हेमू कालाणी

के बलिदान दिवस पर शत्-शत् नमन

जन्म- 23.03.1924 **बलिदान- 21.01.1943**

अमर शहीद हेमू कालाणी जी का जीवन परिचय...

समाज के शक्तिवीर "श्री किशोर आहूजा" अपने जीवन का अधिकतम समय समाज कार्यों में समर्पित कर चुके है, इस वर्ष उन्हें सर्व सम्मति से "क्रांतिवीर अमर शहीद हेमू कालानी समिति" का अध्यक्ष बनाया गया है , यह समिति बीते 30 वर्षो से वीर हेमू के बलिदान दिवस पर रायपुर के कचहरी चौक पर कार्यक्रम आयोजित करती है, जिसके अंतर्गत समिति के सदस्य सुबह 10 बजे कचहरी चौक पर एकत्र होते है और वीर हेमू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रगान गाते है, तत्पश्चात समाज के वरिष्ठ आजादी के आन्दोलन में वीर हेमू और समाज की भूमिका तथा अन्य बलिदानियों के जीवन पर प्रकाश डालते है, जिससे आने वाली पीढ़ी प्रेरणा ले सके और अपने देश , धर्म , समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सके। भारत सरकार ने वीर हेमू के बलिदान पर डाक टिकट भी जारी किया था, यह जानकारी संस्था के "रवि तेजवानी" ने दी स्वतंत्रता संग्राम में भारत माता के अनगिनत सपूतो ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराया । आजादी की लड़ाई में भारत के सभी क्षेत्र के लोगों का योगदान रहा, अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी का भी उल्लेखनीय योगदान है, *हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन् 1923 को जन्मे थे।* उनके पिताजी का नाम "पेसूमल" कालाणी एवं उनकी माँ का नाम "जेठी बाई" था।

हालाँकि सभी क्रांतिकारियों का योगदान देश की आजादी में क्या रहा ? ये सभी जानते है , लेकिन मुख्य बात हमारे इस लेख की है की हेमू कालाणी बलिदान दिवस पर हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दें और उन्हें याद रखें और आने वाली हर पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले सके, अतः इस लेख को लम्बा ना करते हुये, हमें वीर हेमू के योगदान के बारे में बात करनी है तो आइये हम उस महत्वपूर्ण घटना के बारे में बात करते है। सन् 1942 में जब महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आन्दोलन चलाया तो वीर हेमू भी उसमें जुड़ गये। अक्टूबर 1942 में हेमू को पता चला कि अंग्रेज सेना की एक टुकडी तथा हथियारों से भरी ट्रेन उसके नगर से गुजरेगी, तब उसने अपने साथियों के साथ इस ट्रेन को रोकने की सोची। उसने रेल की पटरियों की फ़िशप्लेट निकालकर पटरी उखाडने तथा ट्रेन को रोकने का प्लान तैयार किया। हेमू और उनके दोस्तों के पास पटरियों के नट बोल्ट खोलने के लिए कोई औजार नहीं थे, अतः लोहे की छडों से पटरियों को हटाने लगे, जिससे बहुत आवाज होने लगी। जिससे हेमू और उनके दोस्तों को पकडने के लिए अंग्रेजी शासन का एक दस्ता तेजी से दौडा। हेमू ने अपने सब दोस्तो को भगा दिया, किन्तु खुद नहीं भगा और पकडा गया, पकड़ जाने के बाद हेमू को शासन ने जेल में डाल दिया और उसके उसके मित्रों के नाम पूछे , लेकिन वीर हेमू ने उनके नाम नहीं बताये। हेमू कालाणी को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई. उस समय के सिंध के गणमान्य लोगों ने एक पेटीशन दायर की और वायसराय से उनको फांसी की सजा ना देने की अपील की। वायसराय ने इस शर्त पर यह स्वीकार किया कि हेमू कालाणी अपने साथियों का नाम और पता बताये पर हेमू कालाणी ने यह शर्त अस्वीकार कर दी। *21 जनवरी 1943 को उन्हें फांसी की सजा दी गई।* जब फांसी से पहले उनसे आखरी इच्छा पूछी गई तो उन्होंने भारतवर्ष में फिर से जन्म लेने की इच्छा जाहिर की। इन्कलाब जिंदाबाद और भारत माता की जय की घोषणा के साथ उन्होंने फांसी को स्वीकार किया।

श्री किशोर आहूजा
अध्यक्ष
वीर शहीद हेमू कालाणी समिति रायपुर

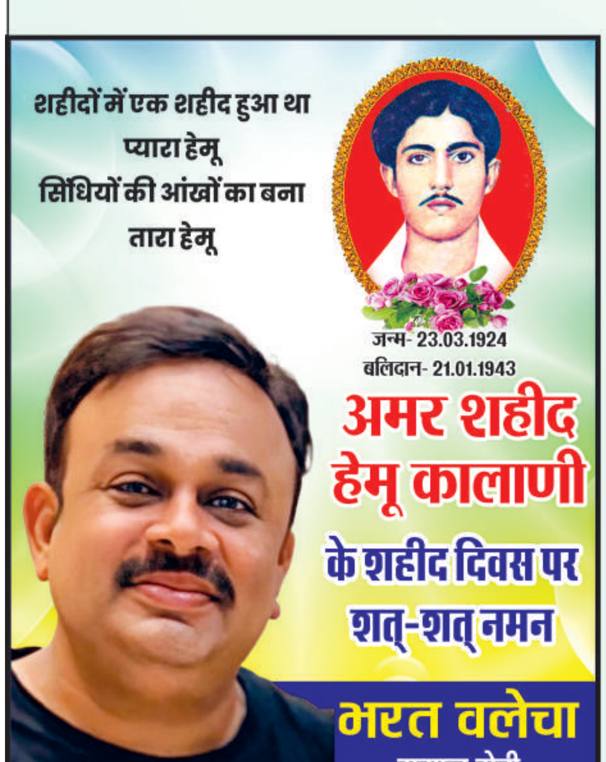

पहली बार डिजिटल धरना-प्रदर्शन की तैयारी, आचार संहिता लगते ही हटाए गए निष्कासित बीएड शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

नौकरी से निकाले गए 2 हजार 900 बीएड शिक्षक अब डिजिटल मोड में धरना-प्रदर्शन करेंगे। नगरीय निकाय चुनाव के चलते आचार संहिता लगते ही उन्हें धरनास्थल से हटा दिया गया है। इसके बाद प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने फैसला लिया है कि वे सोशल साइट्स अकाउंट्स के जरिए लगातार अपना विरोध दर्ज कराते रहेंगे। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, व्हॉट्सऐप सहित अन्य माध्यमों से वे अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर वे बीते 37 दिनों से धरने पर बैठे हैं। इस दौरान इन्होंने शासन के ध्यानाकर्षण के लिए पैदल मार्च, मुंडन, यज्ञ-हवन, जल समाधि, दण्डवत प्रणाम यात्रा, रक्तदान, सफाई अभियान आदि अनोखे तरीके अपनाए हैं। अब तक इन्हें सेवा-सुरक्षा हेतु कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया गया, इसलिए उनके द्वारा अपने स्तर पर विरोध प्रदर्शन जारी रखने का निर्णय लिया है।

- पीड़ित बर्खास्त सहायक शिक्षकों ने की प्रमुख सचिव से बातचीत
- इधर, सेवा-सुरक्षा के विषय में मुख्यमंत्री का आश्वासन

देर रात छोड़ा गया धरना स्थल पर

रविवार को बर्खास्त बीएड योग्यताधारी शिक्षकों तथा अभिभावकों द्वारा सेवा-सुरक्षा की मांग को लेकर तेलीबांधा में अनुनय यात्रा निकालने का प्रयास किया गया था। पुलिस बल द्वारा यह यात्रा बीच में ही रोक दी गई। कई प्रदर्शनकारी शिक्षकों को पुलिस बल द्वारा बस तथा अन्य साधनों का प्रयोग करते हुए धरना स्थल से हटाया गया था। उन्हें रविवार मध्यरात्रि पश्चात पुलिस द्वारा धरना स्थल पर छोड़ा गया। इस दौरान महिलाओं ने पुलिस अधिकारियों को घेरकर उनसे दुर्व्यवहार को लेकर अपनी नाराजगी भी जाहिर की।

9 घंटे बाद बुलाया बातचीत के लिए

शिक्षकों के रविवार रात्रि लौटने के बाद नौ घंटे तक सड़क पर ही बैठने के बाद सोमवार को सहायक शिक्षकों की प्रतिनिधि टीम को अधिकारियों द्वारा वार्तालाप के लिए आमंत्रित किया गया था। बर्खास्त बीएड शिक्षकों ने शिक्षा सचिव की उपस्थिति में प्रमुख सचिव सुबोध सिंह से मिलकर अपनी व्यथा सुनाई। प्रमुख सचिव ने आचार संहिता के दौरान भी कमिटी के कार्यरत रहने तथा जल्द से जल्द समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

सीएम ने कहा- हम नहीं चाहते नौकरी से पृथक करना

इधर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी उक्त मामले पर बयान जारी करते हुए कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी को नौकरी से पृथक किया जाए, हम बीएड योग्यताधारियों की बेहतरी ही चाहते हैं, इसलिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमिटी का गठन किया है। गौरतलब है कि डेढ़ साल नौकरी करने के पश्चात बर्खास्त शिक्षकों की मांग है कि कमिटी जल्द से जल्द उनके पक्ष में सकारात्मक समाधान निकाले तथा कमिटी की कार्यवाहियों में पारदर्शिता लाई जाए।

खबर संक्षेप

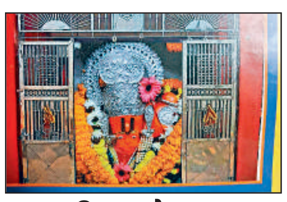

प्राण-प्रतिष्ठा और स्थापना दिवस पर आयोजन कल

रायपुर। अयोध्या नगरी में करोड़ों हिंदुओं के आराध्य प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा और स्थापना दिवस के प्रथम वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम पचपेड़ी नाका स्थित दक्षिणमुखी सिद्ध श्री हनुमान मंदिर में 22 जनवरी को आयोजित है। यह जानकारी पं. आदित्य पांडेय ने देते हुए बताया कि बुधवार को सुबह भव्य श्रृंगार एवं आरती और दोपहर 12 बजे महाभोग का कार्यक्रम होगा। साथ ही भव्य भंडारा दोपहर 1 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ, संध्याकाल 5 बजे से भव्य आरती एवं आतिशबाजी की जाएगी। कार्यक्रम में अधिकाधिक श्रद्धालु शामिल होंगे।

धान की बची राशि पर ब्याज भी दे राज्य सरकार

रायपुर। धान खरीदी के बाद अंतर की राशि फरवरी में देने संबंधी राज्य सरकार कैबिनेट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। सरकार को अंतर की राशि पर ब्याज भी देना चाहिए। रविवार को हुई विष्णु देव साय सरकार के कैबिनेट बैठक में किसानों के धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रतिक्विंटल का बकाया 800 रुपए प्रति क्विंटल फरवरी में देने का निर्णय लिया गया है।

निधन

मुकेश वासवानी

रायपुर। एकता चौक खम्हारडीह निवासी मुकेश वासवानी (38) का

20 जनवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 21 जनवरी को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे प्रकाश वासवानी के भाई थे।

राजेंद्र जयसिंघानी

रायपुर। पूज्य सिंधी पंचायत देवेंद्र नगर के पूर्व महासचिव राजेंद्र

जयसिंघानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 21 जनवरी को सुबह 10.30 बजे मुक्तिधाम में किया जाएगा।

राजनीतिक दल कार्यकर्ताओं को साधने में जुटे, सौंप रहे जिम्मेदारी

नगरीय निकाय चुनाव की बनी रणनीति

जामवाल की दो टूक, जिनको भी पार्टी टिकट देगी, उनके लिए काम करना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एकात्म परिसर में सोमवार को नगरीय निकाय चुनाव एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर हुई बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने दो टूक कहा, भाजपा प्रत्याशी चयन पूरी पारदर्शिता से करती है। इसमें किसी प्रकार का कोई अपना-पराया नहीं किया जाता है। हमें चुनाव में सही प्रत्याशी को उतारना है और उसके लिए काम भी करना है। जिसको भी टिकट मिलेगी सब मिल-जुलकर साथ उसके साथ खड़े होंगे और उसको आगे बढ़ाएंगे।

श्री जामवाल ने कहा, इस चुनाव का जो हमारा नारा रहेगा हम जीतेंगे और यह संकल्प लेकर इसे पूरा करना है। भाजपा एक वैचारिक आंदोलन है इसके जो विचार है इसके जो चलने वाले हैं उनके मन में कांसेप्ट क्लीयर रहता है। यह हमारा यह वैचारिक आंदोलन है और इस आंदोलन को लेते हुए हमने आगे बढ़ाना है। श्री जामवाल ने कहा, हमें आगामी चुनाव में अपने लिए प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली शक्तियों से भी सावधान रहना है। भाजपा के कार्यकर्ता मेहनती, परिश्रमी एवं निष्ठावान होते हैं। हमारी भाग्य रेखा में मेहनत करना लिखा हुआ है।

- संभागीय बैठक में कार्यकर्ताओं को जीत के लिए जुटने का आव्हान

ये रहे मौजूद

बैठक में सांसद रूपकुमारी चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, भूपेन्द्र सवन्नी, लक्ष्मी वर्मा, मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व मंत्री विधायक अजय चंद्राकर, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामू रोहरा, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत, अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, संपत अग्रवाल, योगेश्वर राजू सिन्हा, रायपुर जिला प्रभारी खूबचंद पारख, चंदूलाल साहू, चंद्रशेखर साहू, देवजी भाई पटेल, जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर, प्रदेश पदाधिकारी सहित रायपुर संभाग के सभी जिला अध्यक्ष मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं को सरपंच बनाना है: पवन साय

प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा, मंडल एवं जिला स्तर पर कमेटी बनी है। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव की दृष्टि से हमारी कमेटियां बनी हैं। चुनाव के समय में प्रत्याशी का चयन महत्वपूर्ण विषय रहता है और जैसे चयन करेंगे, वैसा इसका परिणाम भी मिलता है। हमें सरपंच, जनपद एवं जिला पंचायत के लिए भाजपा का जो कार्यकर्ता लगातार कार्य कर रहा है और जो स्वच्छ छवि का हो, उसे प्रत्याशी बनाना है। सरपंच, जनपद एवं जिला पंचायत में भी एक ही कार्यकर्ता चुनाव लड़े, जो चुनाव जीत सकता है। भाजपा की 11,694 पंचायत यानी सरपंच जीतकर के आएंगे। केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है। इसी तरह पंचायत में भी भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता ही सरपंच बनना चाहिए, यह हमारा संकल्प हो। नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र सवन्नी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रभारी सौरभ सिंह ने निकाय एवं पंचायत चुनाव के संदर्भ में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। बैठक का संचालन रायपुर संभाग सह प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने किया एवं आभार वरिष्ठ भाजपा नेता प्रफुल विश्वकर्मा ने माना।

कांग्रेस ने विधायकों के साथ बनाई चुनाव की रणनीति, प्रत्याशी चयन पर भी चर्चा

पंचायत एवं निकाय चुनावों को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में कांग्रेस के विधायकों ने नगरीय निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों को अधिक से अधिक संख्या में जिताने की रणनीति, प्रत्याशी चयन के फार्मूले एवं अन्य चुनावी रणनीति पर चर्चा किया। पंचायतों एवं नगरीय निकाय चुनाव कार्यक्रम घोषित होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस की चुनावी तैयारियां पूरी है। हमें भरोसा है चुनाव में जनता का आशीर्वाद कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। हमारे प्रभारी, पर्यवेक्षक वार्डों में बैठकें ले रहे है। हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। राजीव भवन में कांग्रेस विधायक दल की बैठक की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रभारी सचिव एसए सम्पत कुमार, सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, सह प्रभारी विजय जांगिड़ की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस दौरान आगामी नगरीय निकाय चुनाव की रणनीति के साथ प्रत्याशियों के चयन को लेकर चर्चा की गई। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, हमारे साथी लगातार चुनाव को लेकर अपने क्षेत्रों में बैठकें कर रहे है। सभी विधायक साथियों ने कमर कस लिया है। प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे।

- पर्यवेक्षकों को अपने क्षेत्र में बैठक कर तय करेंगे पार्टी के प्रत्याशी
- कांग्रेस की चुनावी तैयारी पूरी, हम नगरीय निकाय एवं पंचायत दोनों में जीतेंगे - बैज

प्रत्याशी चयन को लेकर बड़ा फैसला

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर पीसीसी अध्यक्ष ने बताया कि पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। पर्यवेक्षक, नगर पंचायत और नगर पालिका में बैठक करेंगे। यहां से प्रत्याशी चयन के लिए एक-एक नाम तय किए जाएंगे। पार्षदों के लिए ब्लॉक स्तर से नाम आएगा। उनमें से ही एक नाम को तय किया जाएगा। आवश्यकता पड़ी तो वरिष्ठ नेताओं, विधायक और पूर्व विधायक सभी से चर्चा करेंगे। वार्ड में कोई दिक्कत होगी, तो आपस में बैठकर जिला स्तर चर्चा की जाएगी। अध्यक्ष पद पर पीएससी चयन समिति निर्णय लेगा।

सभी वर्गों को साधने की तैयारी

पीसीसी अध्यक्ष ने कहा, महिला और युवा वोटर पर पार्टी फोकस करेगी। सरकार ने एक लाख लोगों को नौकरी देने के नाम पर सरकार बनाई और ठगने का काम किया है। लगातार मंत्रियों की सभा में युवा नौकरी मांग रहे हैं। किसान और ओबीसी भी हमारे साथ है। सरकार से कई वर्ग के लोग नाखुश हैं, उन्हें हम साधने का प्रयास करेंगे।

प्रांताध्यक्ष और कार्यकारिणी पर कार्यवाही से पटवारी नाराज, जारी रहेगा ऑनलाइन बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर के पटवारियों की हड़ताल आगे भी जारी रहेगी। संघ के प्रांताध्यक्ष एवं सचिव के अचानक स्थानांतरण से नाराज पटवारियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही का विरोध किया है। पदाधिकारियों पर की गई कार्यवाही को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ ने इसकी निंदा की है। साथ ही ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार आगे भी जारी रखने का ऐलान किया है। दरअसल प्रदेशभर के 5 हजार पटवारी महीनेभर से ऑनलाइन संसाधन उपलब्ध कराने समेत संसाधन भत्ता दिए जाने की मांग को ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार कर रहे हैं। साथ ही सभी प्रकार के शासकीय वाट्स ग्रुप से लेफ्ट होकर विरोध जता रहे हैं। उनकी इस ऑनलाइन बस्ताबंद हड़ताल से लोग नक्शा, खसरा के लिए भटक रहे हैं। आम जनता के बटांकन और नामांतरण का कार्य भी इससे प्रभावित हुआ है। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर राज्य के पटवारी 16 दिसंबर से आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराने के विरोध में सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों और प्रशिक्षण का बहिष्कार कर विरोध जता रहे हैं। विदित हो, वर्तमान में राजस्व संबंधी सभी कार्यों को भुइंया पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया गया है, इसके अलावा अधिकतर कार्य जैसे कृषि संगणना, फसल कटाई, प्रयोग भी ऑनलाइन मोबाइल एप अथवा कंप्यूटर के माध्यम से करना होता है।

30 साल से नहीं मिली पदोन्नति

प्रदेशभर के पटवारियों में सबसे बड़ी नाराजगी इस बात को लेकर है कि पिछले 3 दशक से पटवारियों को पदोन्नति नहीं दी गई है। इसके चलते वे बिना पदोन्नति पाए सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जबकि दूसरे विभागों में ऐसी स्थिति नहीं है। पटवारियों ने पदोन्नति की मांग प्रमुखता से उठाई है।

नौकरी बचाने किराए के संसाधनों का उपयोग कर रहे

राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष भागवत कश्यप ने कहा है, ऑनलाइन कार्यों के लिए आज तक प्रदेशभर के पटवारियों को किसी भी प्रकार के संसाधन और संसाधन भत्ता उपलब्ध नहीं कराया गया है। उसके बाद भी पटवारियों द्वारा नौकरी बचाने मजबूरी में निजी अथवा किराए के संसाधनों से कार्य का संपादन किया जाता रहा है। राजस्व पटवारी संघ ने कई बार शासन तक अपनी समस्या पहुंचाई, पर अब तक किसी तरह की पहल नहीं होने से प्रदेशभर के हजारों पटवारी निराश हैं। समस्या का निराकरण नहीं होने की स्थिति में 16 दिसंबर से सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार कर विरोध जता रहे हैं।

कथा सुनने से होता है जीवन का कल्याण

- समाजसेवी बसंत अग्रवाल के जन्मदिन पर हुए कई कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के लाखों सनातनीजनों के प्रेरणास्त्रोत बसंत अग्रवाल का जन्मदिन 19 जनवरी को धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिन की शुरुआत श्री अग्रवाल के निवास स्थान पर स्नेहीजनों के साथ सौहार्द्रपूर्ण मुलाकात से हुई। इसके बाद गुढ़ियारी स्थित मारुति मंगलम भवन में आयोजित श्रीमद भागवत कथा का बसंत अग्रवाल ने रसपान किया। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से जीवन में कल्याण होता है, कथा सुनने से मन में सकारात्मक ऊर्जा आती है और विकार, गलत भावनाएं, तथा भय खत्म होता है। श्री अग्रवाल वनवासी विकास समिति

के सबरी कन्या आश्रम पहुंचे, जहां आश्रम की छात्राओं ने गीत गाकर श्री अग्रवाल का स्वागत किया। दोपहर बाद वे रायपुर के कोटा स्थित बढ़ते कदम द्वारा संचालित संजीवनी वृद्धाश्रम पहुंचे और वहां वृद्धजनों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्री अग्रवाल अश्वनी नगर के घरौंदा आश्रय गृह दिव्यांग स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने विशेष बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने अब तक लाखों लोगों को समाजसेवा के लिए प्रेरित किया है।

छात्रसंगठन की तिरंगा यात्रा, कहा- राजनीति से ऊपर है राष्ट्रभक्ति

- साइंस कॉलेज ग्राउंड से प्रारंभ हुई यात्रा, युवा दिवस के उपलक्ष्य में यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस पर 1100 फीट लंबे भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा साइंस कॉलेज ग्राउंड से प्रारंभ होकर अनुपम गार्डन और डंगनिया होते हुए लाखेनगर चौक पर संपन्न हुई।

इस आयोजन में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी, अभाविप प्रदेश मंत्री यज्ञदत्त वर्मा और प्रांत कार्यकारणी सदस्य रुचिका गौतम अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रदेश मंत्री यज्ञदत्त वर्मा ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, समाज और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी परिषद सदैव विद्यार्थियों के विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए तत्पर है।

रचनात्मक कार्यों में भागीदारी

डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी ने अपने संबोधन में कहा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद किसी भी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति से जोड़ने का कार्य करता है। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक कार्यों में भी भागीदारी करनी चाहिए। स्वामी विवेकानंद के आदर्श वाक्य 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो' को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर महानगर मंत्री प्रथम फूटाने, सह मंत्री सुजल गुप्ता, हर्षित कौर, रामजी शिवहरे, भाग संयोजक आशीष सिन्हा, जितेश नेताम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

केनरा बैंक का 'केनरा क्रेस्ट' उत्पाद पर ग्राहक बैठक समारोह

रायपुर। केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा होटल मे-फेयर में एक ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बैंक के नए उत्पाद 'केनरा क्रेस्ट' की जानकारी देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता केनरा बैंक, अंचल कार्यालय भोपाल के अंचल प्रमुख और महाप्रबंधक सुधांशु सुमन ने की। इस अवसर पर केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक रिजु प्रकाश जेएस, मंडल प्रबंधक राजेश कुमार अग्रवाल और राहुल वर्मा भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त बैंक की रायपुर, धमतरी और भिलाई शाखाओं के कार्यपालक और शाखा प्रमुख ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस बैठक में 50 प्रीमियम ग्राहकों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान बैंक ने 'केनरा क्रेस्ट' के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी, जो विशेष रूप से प्रीमियम श्रेणी के ग्राहकों के लिए डिजाइन की गई है। इस उत्पाद के तहत ग्राहकों को प्राथमिकता के आधार पर बैंकिंग सेवाएं, 24/7 ग्राहक सेवा हेल्पलाइन और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल, 12- रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 06/01/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वैभव कान्त वशिष्टा पिता श्री के.के. वशिष्टा निवासी म.नं. 33/325 श्याम टाकीज रोड़ सद्दानी चौक सदरबाजार रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम रायपुर खास पटवारी हल्का नंबर 62 राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-12 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1902/90 रकबा 0.5320 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 13/12/2024 के परिपालन में दिनांक 24/01/2025 को समय 2:00 पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 62 के पुजारी चेम्बर पचपेड़ी नाका रायपुर में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी भी प्रकर के दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

रा.नि.मं. 12
रायपुर

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर, रायगढ़ (छ.ग.)

नोटिस

पु.प्र.क्र. 202308042000006/109 / 2022-23
ग्राम जतरा, तहसील लैलूंगा
क्रमांक-436/वाचक/अति.कले./2025
रायगढ़, दिनांक 17/01/2025

प्रति, श्रीमती प्रीति आ. नरसिंह पति मोहन वैष्णव निवासी—अमलेश्वर घाट खुशबू बिहार रायपुर (छ.ग.)

आपको एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पुनरीक्षणकर्ता श्री ताराचंद आ. तुलसीदास जाति बैरागी, निवासी- हाईस्कूल रोड यादव होटल के पास, कांसाबेल, जिला-जशपुर छ.ग. के द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), लैलूंगा के रा.प्र.क्र. 202206041800012/अ-6/2022-23 में पारित आदेश दिनांक 10.07.2023 के विरुद्ध छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 50 के तहत पुनरीक्षण प्रस्तुत किया गया है, जिसकी सुनवाई तिथि 27.01.2025 को इस न्यायालय में नियत है।

उक्त प्रकरण में आपको किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हों तो नियत सुनवाई तिथि 27.01.2025 को दोपहर 03:00 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आपत्ति पर किसी प्रकार से विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक 14.10.2024

अतिरिक्त कलेक्टर
रायगढ़

पेज 11 के शेष ...

रिपोर्ट कार्ड : सरकारी कालेज...

सरकारी कॉलेज में नए पाठ्यक्रमों की सुविधा छात्रों को नहीं मिलेगी। इसके उलट, शीर्ष निजी महाविद्यालय अपने यहां नए कोर्स शुरू करने आवेदन दे चुके हैं। अधिकतर निजी महाविद्यालयों ने कंप्यूटर आधारित पाठ्यक्रमों का चुनाव किया है। इसके अलावा जिसमें रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं तथा जिसमें विद्यार्थी अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं, उसे भी प्रारंभ करने अर्जी दी गई है। **निरीक्षण पूर्ण, अनुमति का इंतजार** : निजी महाविद्यालयों में नवीन पाठ्यक्रम संचालन के लिए उच्च शिक्षा विभाग का निरीक्षण पूर्ण हो चुका है। कुछ स्थानों पर पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा निरीक्षण किया जाना शेष है। इसके पश्चात वे नए सत्र से इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को दाखिला देंगे। गौरतलब है कि नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए सर्वप्रथम उच्च शिक्षा विभाग को अनुमति के लिए खत लिखना पड़ता है। इसके पश्चात उच्च शिक्षा विभाग और संबंद्ध विवि की टीम निरीक्षण के लिए आती है। यदि टीम यह पाती है कि उक्त महाविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रम के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं तो उन्हें अनुमति प्रदान कर दी जाती है।

जिस परिवार में शादी...

मां को बताया, बेटा आईसीयू में है : मृतक के बड़े पापा के अनुसार पुष्कर की मौत की जानकारी उसकी मां को नहीं दी गई थी। धनेश ने अपनी पत्नी को बताया कि मांझा से उनके बेटे का गला कट गया है और खून ज्यादा बहने की वजह से वह बेहोश हो गया है। बेहतर उपचार के लिए पुष्कर को आईसीयू में रखा गया है। पोस्टमार्टम होने के बाद मृत मासूम की मां को पैतृक गांव ले जाए जाने के बाद घटना की जानकारी दी गई। अनिल ने बताया कि उनके मां-पिता यानी पुष्कर के दादा-दादी एक दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। शाम 7 बजे दोनों वापस लौटे, तब दोनों को बच्चे की मौत की जानकारी दी गई। चाइनीज मांझा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग : मृतक बच्चे के बड़े पापा अनिल साहू तथा पिता धनेश साहू ने रोते हुए कहा कि चाइनीज मांझा की वजह से उनके घर का चिराग बुझ गया, किसी और के घर का चिराग न बुझे, इसके लिए शासन से चाइनीज मांझा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही बच्चे की अंतिम संस्कार होने के बाद परिजनों ने शासन से उचित मुआवजा देने की मांग करने की बात कही।

Health Town
K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ्य जीवन का राज)
वैद्य-डॉ.पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob.: 9111922122, 9111912122,0771-3558564
उपलब्ध पंचकर्म
• बस्ति
• उत्तर बस्ति
• जानु बस्ति
इत्यादि।
पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

4600 किलो पनीर जब्त, छापेमारी में गए अफसर घूस लेते कैमरे में कैद

खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम की बस स्टैण्ड और रेलवे स्टेशन पर सुबह छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश निर्मित पनीर भी खपाया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सुबह-सवेरे बस स्टैण्ड और रेलवे स्टेशन में छापेमारी कर लगभग 4600 किलो पनीर जब्त किया। अंदेशा है कि पनीर नकली है और इसे बिना दूध के तैयार किया गया है। छापेमारी के बाद जांच टीम पनीर रिसीव करने आने वाले मालिकों का इंतजार करती रही, मगर वे नहीं पहुंचे। दोनों स्थानों में मिले पनीर को जब्त कर लिया गया है। इधर, स्टेशन पर छापेमारी के दौरान एक अफसर सौदेबाजी करते कैमरे में कैद हो गया। खाद्य विभाग इसकी जांच कर रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों और नकली पनीर का धंधा करने वालों की जांच कर रही है। बिरगांव और निमोरा में नए साल के पहले कार्रवाई कर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने नकली पनीर के मामले का खुलासा किया था। सोमवार को जांच टीम ने बस स्टैण्ड और रेलवे स्टेशन पर पनीर की बड़ी खेप पकड़ी। सुबह 8 बजे के करीब एक टीम ने भाठागांव बस स्टैण्ड के पार्सल यार्ड में दबिश दी। वहां पुणे से बस के माध्यम से भेजा गया करीब 53 पेटी पनीर बरामद किया गया। पनीर से संबंधित दस्तावेज मिलने के बाद मालिक के आने का इंतजार किया जाता रहा, मगर कोई इसे लेने नहीं पहुंचा। दूसरी टीम रेलवे स्टेशन के पार्सल गोदाम पहुंची, जहां ट्रेन के जरिए भोपाल से आया 40 पेटी पनीर जब्त किया गया। पनीर के इस खेप के मालिक के बारे में अभी पता नहीं चल पाया है। दोनों स्थानों पर जब्त पनीर 4600 किलो है, जिसे सीज किया गया है। उनके मालिकों के आने के बाद सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा। अंदेशा इस बात का है कि इस पनीर में भी दूध का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

खास खबर

तीस हजार के लालच में फंसा अफसर

नकली पनीर के अंदेशे पर रेलवे स्टेशन में छापेमारीकरने वाला एक अफसर 30 हजार रुपए के लालच में फंस गया। दरअसल पनीर जब्ती के बाद पार्सल गोदाम के बाहर पड़ी पानी बोतल की पेटी पर एफएसओ अहसान तिग्गा की नजर पड़ी। आरोप है कि बड़ी कार्रवाई से बचाने के लिए उसने 50 हजार की डिमांड की और मामला 30 हजार में सेट हुआ। अफसर सौदेबाजी करते हुए कैमरे में कैद हो गया। मामले की जानकारी होने के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक चंदन कुमार के मामले की जांच के निर्देश दिए और दोषी पाए जाने पर अफसर के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पनीर की भारी खपत

राज्य में पनीर की खपत भारी मात्रा में होती है। त्योहार के साथ विशेष आयोजनों के दौरान खानपान में पनीर शामिल रहता है। शादी-ब्याह का सीजन शुरू हो चुका है, जहां पनीर की खपत बड़ी मात्रा में होगी। आशंका है कि बड़ा फायदा को देखते हुए होटल और केटरिंग से जुड़े कारोबारियों द्वारा दूसरे राज्यों से पनीर मंगाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को दो पुरस्कार

रायपुर। कर्नाटक राज्य के बेलगाम में आयोजित इंडिपेंडेंट पॉवर प्रोड्युसर्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 25 वें रेगुलेटरी एंड पॉलिसी मेकर्स रिट्रीट में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (सीएसपीटीसीएल) को दो महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त हुए। इसे राज्य पॉवर कंपनियों के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह द्वारा प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला को प्रदान किया गया। भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल 35 राज्य भार प्रेषण केन्द्रों में से छत्तीसगढ़ के राज्य भार प्रेषण केन्द्र को आउटस्टेण्डिंग एचीवमेन्ट एवार्ड एवं द्वितीय इजीएस्ट एक्सेस टू ओपन एक्सेस संवर्ग में फर्स्ट रनर-अप का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

दिव्यांगों, अनाथों के लिए सहायता राशि स्वीकृत

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने 16 जनवरी को अपने स्वेच्छानुदान मद से 18 संस्थाओं को 18 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृति दी है।

इसके अंतर्गत शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय अडावाल जगदलपुर जिला बस्तर, शासकीय श्रवण बाधितार्थ विद्यालय जावंगा गीदम जिला दंतेवाड़ा, शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय कांकेर, शासकीय बौद्धिक मंद बालिकाओं के लिए विशेष विद्यालय जिला नारायणपुर, शासकीय दृष्टि बाधितार्थ विद्यालय जिला जशपुर आदि के लिए सहायता राशि स्वीकृत की है।

मकान में छिपाकर रखे 78 तोते जब्त

रायपुर। पीसीसीएफ, राज्य वन उड़नदस्ता तथा रायपुर वनमंडल की संयुक्त टीम ने सोमवार को गोगांव रेलवे अंडरब्रिज स्थित शेख मोहम्मद के निवास पर दबिश देकर 78 नग अलग-अलग प्रजाति के तोते जब्त किए। रायपुर डीएफओ लोकनाथ पटेल के मुताबिक, शेख मोहम्मद के निवास से तोते बरामद किए गए हैं। वह किसी दूसरी जगह से तस्करी कर तोते यहां बेचने के लिए लाया था। कहां से तोते लाया था, वन अफसर इस संबंध में जानकारी जुटा रहे हैं।

निकायों में अनुकंपा नियुक्ति, 103 परिजनों को सीएम ने सौंपा नियुक्ति पत्र

चुनाव से पहले बड़ी घोषणा : भूमिहीन कृषि मजदूरों को मिलेंगे 10 हजार सालाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निकाय और पंचायत चुनाव की घोषणा होने से चंद घंटे पहले ही सरकार ने अपने चुनावी वादे से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणा की।

राज्य के भूमिहीन कृषकों को साल में दस हजार रुपए आर्थिक सहायता योजना शुरू करने की घोषणा की गई। साथ ही विभिन्न नगरीय निकायों में 155 करोड़ 38 लाख रुपए के 813 कार्यों का शिलान्यास और 15 करोड़ 25 लाख रुपए के 70 कार्यों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री नगरीय विकास के सोपान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 103 परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपे।

मोदीजी की एक और गारंटी पूरी : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को न्यू सर्किट हाउस स्थित ऑडिटोरियम में पं. दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भूमिहीन मजदूरों से किए गए वादे के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की एक और गारंटी पूरी हो गई है। हमारे छत्तीसगढ़ में बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन ऐसे लोग भी हैं, जिनके पास कृषि भूमि भी नहीं है और वे कृषि मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते हैं। उन्हें ध्यान में रखते हुए हमने भूमिहीन कृषि मजदूर भाई-बहनों से भी एक वादा किया था। हमने कहा था कि उन्हें 10 हजार रुपए सालाना आर्थिक सहायता देंगे। आज हमने इस वादे को पूरा किया है।

साढ़े पांच लाख से अधिक को लाभ

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य के कुल 5 लाख 62 हजार 112 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिलने जा रहा है। इस योजना के तहत 562 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपए हम भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रदान करेंगे। इस योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ वनोपज संग्राहक भूमिहीन परिवार, चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी आदि पौनी-पसारी व्यवस्था से संबद्ध भूमिहीन परिवार भी शामिल हैं। इनके अलावा अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के देवस्थल में पूजा करने वाले पुजारी, बैगा, गुनिया, मांझी परिवारों को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भूमिहीन मजदूर हितग्राहियों को 10 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया।

अनुकंपा नियुक्ति आदेश सौंपे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 'नगरीय विकास के सोपान' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नगरीय निकायों में अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में लंबे समय से मांग की जा रही थी। हमने संवेदनशीलता के साथ विचार कर इसके लिए नए पद भी स्वीकृत किए हैं। नगरीय विकास के सोपान कार्यक्रम में हमने 103 पदों पर अनुकंपा नियुक्ति के आदेश पत्र अभी वितरण किए हैं। हमारी सरकार ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और विभिन्न नगरीय निकायों में अनुकंपा नियुक्ति के लिए 353 पदों की स्वीकृति प्रदान की है।

निकायों के लिए खुला खजाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न नगरीय निकायों में 155 करोड़ 38 लाख रुपए के 813 कार्यों का शिलान्यास और 15 करोड़ 25 लाख रुपए के 70 कार्यों का लोकार्पण अभी यहां पर हुआ है। 6 नगरीय निकायों तखतपुर, रतनपुर, भानुप्रतापपुर, छुरिया, मल्हार और खोंगापानी में अमृत मिशन-2.0 के तहत 270 करोड़ रुपए की लागत से जलप्रदाय योजनाओं का शिलान्यास भी हम लोगों ने यहां पर किया है। इन नगरीय निकायों में 20 हजार 511 निजी नल कनेक्शन दिए जाएंगे। इससे हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी का संकल्प मूर्तरूप लेने वाला है। स्वच्छता दीदियों को मिलने वाला मानदेय 800 रुपए बढ़ाया गया है।

सुशासन की सरकार : साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में काम करने वाली और सुशासन की सरकार है। विष्णु के सुशासन में किसी को निराश होने की जरूरत नहीं है। वन मंत्री तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में शहरी क्षेत्रों में लगातार विकास की गंगा बह रही है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक राजेश मूणत, धर्मजीत सिंह, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, गुरु खुशवंत साहेब, अनुज शर्मा और इंद्रकुमार साहू, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अवैध संबंध का दुष्परिणाम

दंपति ने रिश्तेदार की हथौड़ा मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अवैध संबंध के चलते पति-पत्नी ने अपने दूर के रिश्तेदार के सिर पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना रविवार देर शाम की है। घटना के बाद मौके पर पहुंची माना पुलिस ने आरोपी दंपति को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर फोरेंसिक एक्सपर्ट ने जांच की। एक अन्य मामले में पिछले दिनों चरित्र संदेह के चलते पत्नी की सिर पर सीमेंट से भरी बाल्टी मारकर हत्या करने वाले हत्यारे पति को टिकरापारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

संजय जांगड़े की हत्या के आरोप में पुलिस ने टेमरी शारदा विहार कॉलोनी निवासी करण बंजारे तथा उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, संजय का करण की पत्नी के साथ अवैध संबंध था। करण पेशे से राजमिस्त्री है। रविवार को संजय शराब के नशे में करण के घर पहुंचा। संजय को करण ने अपनी पत्नी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इसके बाद दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान महिला ने भी अपने पति का साथ दिया। इस दौरान करण ने पास रखे हथौड़े से संजय के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। आसपास के रहवासी शोर सुन करण के घर पहुंचे तो उन लोगों ने देखा, संजय लहूलुहान मृत हालत में चित पड़ा था। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी।

चरित्र संदेह पर पत्नी की हत्या, पति गिरफ्तार

कमल विहार में तीन दिन पूर्व 18 जनवरी को हेमलता के सिर पर सीमेंट से भरी बाल्टी मारकर हत्या करने के आरोप में टिकरापारा पुलिस ने महासमुंद पटेवा निवासी गजेंद्र यादव को गिरफ्तार किया है। गजेंद्र तथा उसकी पत्नी कमल विहार सेक्टर-4 में बन रहे ईडब्ल्यूएस मकान में मजदूरी करते थे। गजेंद्र की पत्नी लड़कों से बात करती थी। इस पर गजेंद्र ने अपनी पत्नी को पराए लोगों ने बात नहीं करने हिदायत दी थी। बावजूद इसके बात नहीं मानने पर गजेंद्र ने अपनी पत्नी के सिर पर सीमेंट से भरी बाल्टी से वार कर मौत के घाट उतार दिया।

दूसरे राज्यों के एमबीबीएस छात्रों को मिलेगा मॉपअप राउंड में एडमिशन का मौका, 54 ने किया आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के निजी और शासकीय मेडिकल कॉलेजों में पीजी की खाली सीटों पर एडमिशन के लिए मॉपअप राउंड के दौरान दूसरे राज्यों के एमबीबीएस छात्रों को भी मौका मिल सकेगा। इसके लिए 54 छात्रों ने आवेदन किया है। वहीं छत्तीसगढ़ के निवासी होने, मगर दूसरे राज्यों से पढ़ाई करने वालों की संख्या 135 है।

एनएमसी द्वारा एमडी-एमएमएस में एडमिशन के लिए परसेंटाइल में कटौती की थी। इस आधार पर पात्र उम्मीदवारों को राज्य की सीटों पर एडमिशन के लिए मॉपअप राउंड के दौरान ऑनलाइन आवेदन करने का मौका दिया था। सोमवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा नए और पुराने आवेदन के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी की गई है, जिसमें 1085 उम्मीदवारों को शामिल किया गया है। मेरिट लिस्ट में 895 उम्मीदवार ऐसे हैं, जो छत्तीसगढ़ के रहवासी के साथ यहां के मेडिकल कॉलेज में यूजी की पढ़ाई की है अथवा राज्य में शासकीय सेवा में हैं। 135 ऐसे विद्यार्थियों ने राज्य के मेडिकल कॉलेज से चिकित्सा विशेषज्ञ की पढ़ाई करने के लिए आवेदन किया है, जो छत्तीसगढ़ के रहवासी हैं, मगर उनकी पढ़ाई दूसरे राज्यों अथवा अन्य देशों में पूरी हुई है। मॉपअप राउंड में उन उम्मीदवारों को भी मौका दिया गया है, जो न तो छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं और न उनकी पढ़ाई यहां के कॉलेजों में हुई है, ऐसे लोगों की संख्या 54 है।

संशोधित परसेंटाइल के साथ नीट पीजी की मेरिट लिस्ट जारी

31 ने मांगी एनआरआई सीट

परसेंटाइल में कटौती के बाद जारी की गई मेरिट लिस्ट में 15.928 नंबर वालों को मौका दिया गया है। दूसरे राज्यों के निवासी और अन्यंत्र पढ़ाई करने वाले जिन 54 उम्मीदवारों ने अपना आवेदन किया है, उसमें 31 लोगों ने निजी मेडिकल कॉलेज की एनआरआई सीटों का ऑप्शन रखा है। पुराने आवेदकों को मॉपअप राउंड के दौरान पुनः संस्था चयन करने का मौका भी दिया गया था।

शीघ्र आवंटन और एडमिशन

सूत्रों का कहना है कि मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद खाली बची सीटों और मेरिट आधार पर आवंटन सूची जारी की जाएगी। इसके बाद दस्तावेजों की स्क्रूटनी के साथ एडमिशन भी दिया जाएगा। दूसरे राउंड की काउंसिलिंग होने के बाद शेष बची ज्यादा सीटें नॉन क्लीनिकल विषयों से संबंधित हैं। वहीं निजी कॉलेजों भी रिक्त सीटों की संख्या अधिक है।

आचार संहिता लागू, शस्त्र लाइसेंस निलंबित, सात दिन के भीतर थाने में जमा करने होंगे

रायपुर। नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2025 की घोषणा होते ही जिले में आचार संहित भी लागू हो गई। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आचार संहिता लागू होने पर जिले में लाइसेंसधारी शस्त्रों का लाइसेंस भी निलंबित कर दिया है। इस निलंबन के साथ लाइसेंस लेने वालों को अपने शस्त्र भी सात दिनों के भीतर थाने में जमा करने होंगे। जिले में दो हजार से ज्यादा लोगों को हथियार रखने का लाइसेंस जारी किया है। इसमें सरकारी और निजी बैंक, कंपनी सहित अन्य संस्थाओं के सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वालों से लेकर नेता, सरकारी कर्मचारी समेत आम लोग भी शामिल हैं। आचार संहिता लागू होने के बाद सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वालों को इस नियम में छूट दी जाती है। इसके लिए लिखित में उन्हें आवेदन देना होगा, वहीं सरकारी कर्मचारी, नेता सहित आम लोगों को हथियार जमा कराना अनिवार्य है।

दो हजार से ज्यादा लाइसेंस जारी

जिले में दो हजार से ज्यादा लोगों को हथियार रखने का लाइसेंस जारी किया है। इसके तहत इन लोगों में जिन्हें हथियार अनिवार्य रूप से जमा कराना है, उन सभी को 7 दिवस के भीतर अपना हथियार थाने में जमा करना होगा। इस दौरान अगर कोई जिला, राज्य या देश से बाहर है तो उसे इसकी सूचना मोबाइल, मैसेज या ई-मेल सहित अन्य किसी भी माध्यम से देनी होगी।

आवेदन आमंत्रित
पाँच (5) घंटे पन्द्रह हजार (15000)
अपने शहर अपने वार्ड के लिए रहे तैयार।
❖ स्वयं का वाहन होना चाहिए।
❖ 12वीं से स्नातक की शिक्षा।
❖ आवेदक आधार कार्ड, अंक सूची की छायाप्रति के साथ बायोडाटा जमा करें।
❖ किस जिले, शहर, वार्ड में कार्य करना चाहते है आवेदन में दर्शाएं।
❖ मासिक वेतन का भुगतान बैंक खाते में दिया जायेगा, बैंक खाता होना अनिवार्य है।
आवेदन करें
हरिभूमि कार्यालय
धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर, मो. 9827555678

online Booking:-www.tripuryatra.com

1,75000/ प्रति श्रद्धालु
Departure Ex- Kathmandu
08 मई, 07 जून, 06 जुलाई, 25 जुलाई, 23 सितंबर 2025 (12 रात 13 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
कैलाश मानसरोवर यात्रा
सुविधाः- 3 स्टार होटल, टूर गाईड, बस, फुड (ब्रेकफास्ट एंड डिनर)
नोटः- काठमांडू तक की फ्लाईट टिकट या ट्रेन टिकट का चार्ज एक्सट्रा रहेगा।
राशिः- 1 लाख 75 हजार प्रति श्रद्धालु
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करेंः-7354-411411

भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में शामिल हुए डॉ. रमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सोमवार को बिहार की राजधानी पटना में आयोजित 85वीं अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष ने संवैधानिक मूल्यों को सशक्त बनाए रखने में संसद एवं राज्य विधान मंडलों के योगदान के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. रमन ने कहा, स्वतंत्रता के बाद हमने संसदीय लोकतंत्र को अपनाया। सामान्य तौर पर यही कहा जाता है कि यह व्यवस्था हमने ब्रिटेन से ली है। लेकिन भारत में संविधान के आधार पर शासन भी अंग्रेजों की देन नहीं है, भारत में वैदिक काल से सभा, समिति एवं गण जैसी परामर्शदात्री संस्थाओं का अस्तित्व रहा है। भारत में महाजनपद काल में वज्जिसंघ भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते थे। सभा और नगरम जैसी पंचायतें और म्युनिसिपल कॉरपोरेशन संस्थाएं भी संचालित रही। जनता ही इन संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करती थी। उन्होंने कहा, जिस पटना की भूमि पर यह सम्मेलन हो रहा वह पाटलिपुत्र की ऐतिहासिक भूमि है जहां महान मौर्य वंश की शुरुआत हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू से मिले स्पीकर डॉ. रमन विधानसभा में प्रबोधन के लिए दिया न्योता

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार मुलाकात की। डॉ. रमन ने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश करने की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति को राज्य के विकास और संस्कृति से अवगत कराया व छत्तीसगढ़ से जुड़े विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। डॉ. रमन ने राष्ट्रपति को आगामी अप्रैल माह में विधानसभा में प्रबोधन के लिए आमंत्रित किया।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 21 जनवरी 2025

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

एनआईटी में बनेगा एआई हब...

लाइव इवेंट

सूक्ष्मदर्शी से मछली की प्रजातियों की कराई पहचान, सीखी उपचार की तकनीक

रायपुर। शासकीय नागर्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय हाइड्रोलॉजी तकनीक विषय पर सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन प्राणीशास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसमें देश, विदेश से अनेक विशेषज्ञों ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यशाला का उद्देश्य जलीय निकायों के जल की परिस्थितिकी का आकलन, जलप्रबंधन और उपचार के तकनीक के अलावा जलीय जैवविविधताओं का पृथक्करण, उनकी पहचान एवं संरक्षण करना, जलीय व स्थलीय परिस्थितिक तंत्रों के मध्य अंतःक्रियाओं का अध्ययन करना आदि था। इस कार्यशाला में मैक्सिको से डॉ. एसएस शर्मा ने जलीय जंतु रोटिफर के वर्गीकरण, उसकी पहचान एवं शोधपत्र लेखन के साथ लेखन में बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया। डॉ. नंदिनी शर्मा ने जंतु प्लवकको का जैवसूचक के रूप में रोटिफेर्स प्रजाति की भूमिका, रोटिफर की जैवविविधता तथा शोधपत्र लिखने की वैज्ञानिक विधि को बताया।

उपकरणों से कराया अवगत

डॉ. रेणु माहेश्वरी प्राचार्य नवीन महाविद्यालय तामासिवनी ने मछलियों में पाए जाने वाले लक्षणों के आधार पर पहचान करने की विधियों से अवगत कराया। डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने जलीय माइक्रो फ्लोरा को समझाते हुए प्रयोगशाला में माइक्रो फ्लोरा की विभिन्न प्रजातियों की पहचान सूक्ष्मदर्शी से कराई। इस कार्यशाला में डॉ. एमएल नायक ने छत्तीसगढ़ के गांव और शहरों के विभिन्न तालाबों में पाए जाने वाले माइक्रो एवं मैक्रो फाइटो प्लैंकटन की संग्रहण, पहचान एवं वर्गीकरण की विधि को समझाते हुए बताया कि उनके द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न तालाबों से 30% पादप प्लवक पर काम किए हैं तथा शेष बचे हुए 70% कार्य को कार्यशाला में उपस्थित युवाओं को करने का आव्हान किया। डॉ. संजू सिन्हा ने जन्तुप्लवक के संग्रहण एवं पहचान करने की विधि के साथ सूक्ष्मदर्शी से अवलोकन कराया। अतिथि वक्ताओं ने उनके द्वारा पादप प्लवक एवं जन्तुप्लवकों में किए गए कार्यों की फोटोग्रॉफ प्रस्तुत की, जिसे देखकर प्रतिभागी प्रेरित हुए। इस दौरान डंगनिया तालाब का भ्रमण भी किया गया, जिसमें तालाब से पादप प्लवक के सैंपल निकालने के विधि एवं उपयोग में लाने वाले उपकरणों से अवगत कराया गया।

सिटी इवेंट

'मुस्कान' में राजस्थानी और मारवाड़ी गीत-संगीत की धूम

रायपुर। घर-समाज में बड़ों की नकल करने वाले नर्सरी से पांचवी स्टैंडर्ड के छात्र-छात्राओं ने मुस्कान की श्रृंखला में डांस पेश करते हुए सोमवार को धूम मचाई। राजस्थानी, मारवाड़ी और छत्तीसगढ़ी गीतों पर जहां संस्कृति की छाप छोड़ी। वहीं फिल्मी गीतों पर नायक-नायिका के अंदाज में वार्षिकोत्सव के लिए बनाए गए मंच पर शिक्षकों और पालकों के सामने गीत-संगीत की महफिल में भी धूम मचाई। बैस कुर्मी क्षत्रिय समाज भवन में मासूमियत से सजी प्रस्तुति की न केवल तालियों से सराहना की गई, बल्कि उनकी फोटो और वीडियो बनाने के लिए भी उत्साही नजर आए। यह नजारा सुंदरनगर स्थित आदर्श पब्लिक स्कूल में देखने को मिला।

'मैं निकला गड्डी लेके'...

वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि प्रीति शर्मा ने छात्रों के चहुंमुखी विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहा। आगे कहा कि बच्चों का भविष्य संवारने के लिए ऐसे आयोजन भी प्रेरणा का स्रोत हैं। प्राचार्य नैना बोधनकर ने आयोजन की सफलता का श्रेय पालकों, शिक्षकों और छात्रों के संयुक्त प्रयास को दिया। वार्षिकोत्सव के आठवें वर्ष को खास बनाते हुए ये लड़की है दीवानी'..., के बाद 'मैं निकला गड्डी लेके'..., गीत पर छात्रों के समूह नृत्य ने दर्शकों को थिरकने के लिए मजबूर किया।

दर्शकों का दिल जीत लिया

दर्शकों ने देशभक्ति, छत्तीसगढ़ी, मारवाड़ी और राजस्थानी गीत पर बच्चों की मासूमियत से सजी प्रस्तुति को सराहा। 'तू जो मिला तो'...गीत पर डांस पेश करते हुए लोगों को मंत्रमुग्ध किया। गणेश वंदना व अन्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। मुस्कान की कड़ी में पालकों के लिए भी विभिन्न रोचक प्रतियोगिता आयोजित की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को मेडल और प्रशस्तिपत्र से सम्मानित भी किया गया।

● परीक्षाओं की तैयारी करने अच्छी सुविधा मिलने से चेन्नई, दिल्ली, आंध्रप्रदेश और राजस्थान से आ रहे युवा

कॉम्पिटिशन एग्जाम में रैंक लाने नालंदा, सेंट्रल लाइब्रेरी, तक्षशिला में युवा खंगाल रहे हैं कंटेंट

> 'कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी करने वाले युवा अब जब समय मिल रहा, तभी नालंदा, सेन्ट्रल लाइब्रेरी ही नहीं, मोतीबाग स्थित तक्षशिला में पहुंचने लगे हैं। कुछ साल पहले तक रायपुर के युवा कॉम्पिटिशन की तैयारी के लिए दिल्ली, चेन्नई, आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान व मध्यप्रदेश का रूख करते थे। अब स्मार्ट सिटी रायपुर भी एजुकेशन हब का रूप ले चुका है। यहां नौकरीपेशा युवा जॉब के साथ लाइब्रेरी में पढ़ाई करने दिन ही नहीं, रात में भी कंटेंट जुटाने के लिए पहुंचने लगे हैं। जहां उन्हें पर्याप्त किताबें व सुविधाएं मिल रही हैं।'

रायपुर। शहर में हाईटेक लाइब्रेरी होने से प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं का लगाव भी तेजी से बढ़ा है। जीई रोड स्थित नालंदा परिसर ही नहीं, सेन्ट्रल और तक्षशिला लाइब्रेरी में भी सभी सीट भर चुकी है। प्रतिदिन युवा प्रवेश के लिए एडवांस में रजिस्ट्रेशन भी करवा रहे हैं। इसके लिए दूसरे राज्यों से भी परीक्षा की तैयारी करने के लिए युवा पहुंच रहे हैं। लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षा के अलावा नीट-जेईई जैसे प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने के लिए 11-12वीं के छात्र-छात्राएं भी पहुंचते हैं। लाइब्रेरी के संचालक बताते हैं कि ऑफलाइन व ऑनलाइन पढ़ाई के लिए सभी मटेरियल उपलब्ध होने से लाइब्रेरी में इंटीरियर और एक्सटीरियर की तैयारी करने के लिए कंटेंट के साथ ही उन्हें पढ़ाई करने बेहतर माहौल मिल रहा है।

डिमांड पर उपलब्ध कराते हैं किताबें

तक्षशिला लाइब्रेरी के संचालक राजेन्द्र ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षा से जुड़ी 10 हजार से ज्यादा किताबें मौजूद हैं। इसके अलावा ऑनलाइन सभी एजुकेशनल साइट फ्री में उपलब्ध हैं। लाइब्रेरी में 700 सीट है, सभी पैक हो चुकी है। जो युवा आ रहे हैं, उनका रजिस्ट्रेशन करके महीनेभर बाद का समय दिया जा रहा है। लाइब्रेरी में परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं की डिमांड पर किताबों की व्यवस्था भी करते हैं। जिससे परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को काफी मदद मिलती है। लाइब्रेरी में कई घंटे तक युवा परीक्षा की तैयारी करते हैं। जॉब करने वाले युवा शाम 6-10 और सुबह 7-9 बजे तक दो शिफ्ट में पढ़ाई करते हैं।

दिन- रात के साथ शिफ्ट में पढ़ाई

शहर की तीनों हाईटेक लाइब्रेरी 24 घंटे खुलने से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा दिन-रात अपना समय दे रहे हैं। इसमें पीएससी, व्यापम और यूपीएससी की तैयारी करने वाले युवा भी शामिल हैं। युवा शिफ्ट में भी कई घंटे पढ़ाई करने पहुंच रहे हैं। खास करके जॉब वाले युवा दो शिफ्ट में पढ़ाई करते हैं। इसमें शाम को 6-10 बजे और सुबह 7-9 बजे तक युवा जमे रहते हैं। इसके अलावा रात को 10 से 4 बजे तक युवा लाइब्रेरी में पढ़ते हैं।

दूसरे राज्यों के युवाओं का रजिस्ट्रेशन

शहर के लाइब्रेरी में बेहतर सुविधा मिलने से अब प्रदेश के अलावा दिल्ली, एमपी, आंध्र-प्रदेश, ओडिशा के युवा भी परीक्षा की तैयारी करने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने पहुंच रहे हैं। नालंदा, सेन्ट्रल व तक्षशिला में दूसरे राज्यों से आए सैकड़ों छात्र यूपीएससी, सीजीपीएससी जैसी कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। पिछले पांच सालों में दूसरे राज्यों से आकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों की संख्या हजारों में हैं।

जेईई की तैयारी करने पहुंच रहे

सेंट्रल लाइब्रेरी की संचालिका माधुरी ने बताया कि यूपीएससी, पीएससी, व्यापम समेत नीट-जेईई प्रवेश परीक्षा की किताबें लाइब्रेरी में मौजूद हैं। इसके अलावा ई-लाइब्रेरी में सभी प्रकार के नोट्स भी मिलते हैं। वर्तमान में यहां 15 सौ सीट है, जो पूरी तरह से पैक है। अगले दो साल तक प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अब प्रवेश के लिए दो साल इंतजार करना होगा। प्रतियोगी परीक्षा नजदीक होने से रोज 150- 200 युवा जानकारी लेने आ रहे हैं। इसमें दूसरे प्रदेश से भी प्रवेश के लिए कॉल आते हैं। लेकिन, कई ऐसे युवा जो प्री- परीक्षा क्लियर कर चुके हैं, उनको सीधे प्रवेश देकर मेन्स व इंटरव्यू के लिए तैयारी करने में मदद करते हैं। दिन के अलावा रात में भी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को संख्या बढ़ी है।

50 हजार से भी ज्यादा किताबें

नालंदा की संचालिका मंजूला जैन ने बताया कि यूपीएससी, सीजीपीएससी, व्यापम के अलावा नीट-जेईई जैसी परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार से ज्यादा किताबें हैं। इसके अलावा ई-लाइब्रेरी में मौजूद सभी एजुकेशनल साइट फ्री होने से सभी नोट्स और मटेरियल फ्री में युवाओं को मिलती है। परिसर के बाहर मौजूद गार्डन में भी बैठकर युवा पढ़ाई करते हैं। वर्तमान में 25 सौ सीट है, जो अगले 6 महीने तक पैक है। आगामी प्रतियोगी परीक्षा को देखते हुए करीब 100-150 रोज प्रवेश की जानकारी लेने भी पहुंचते हैं।

आईआईआईटी एनआर में स्कूली छात्रों के लिए वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन

विज्ञान-तकनीक उत्सव ने किया इंजीनियरों की नई पीढ़ी को प्रेरित

रायपुर। आईआईआईटी नवा रायपुर का प्रमुख वार्षिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी शो-केसिंग कार्यक्रम (एससीआईएनटीएफआईसी) गत दिनों आईआईआईटी-एनआर परिसर में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि उन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग में हाल के विकास और इस क्षेत्र में उनके लिए विभिन्न व्यावसायिक अवसरों के बारे में जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीसीजीसीओएसटी के वैज्ञानिक डॉ. अमित दुबे ने एकेडमिक्स डीन प्रो. केजी श्रीनिवास की उपस्थिति में किया। इस मौके पर डॉ. दुबे ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों को वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए नए अनुभव प्राप्त करने और अंतर-विषयक दृष्टिकोण तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी दौरान डॉ. श्रीनिवास ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कार्यक्रम की उत्पत्ति के बारे में बात की और वर्तमान समय में विज्ञान, समाज और पर्यावरण के महत्व पर जोर दिया।

इसके बाद कार्यक्रम की संकाय समन्वयक डॉ. कविता जायसवाल और डॉ. अरुणा शुक्ला ने कार्यक्रम का विस्तृत अवलोकन किया। कार्यक्रम में रायपुर के विभिन्न स्कूलों जैसे भारतीय विद्या भवन, आरके सारदा विद्या मंदिर, ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल रायपुर, भारत माता सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल रायपुर, आदित्य बिड़ला सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नागदा (एमपी), डीपीएस नवा रायपुर अटलनगर आदि से कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण, 'आइडियाथॉन 7.0' के तहत कुल 110 परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया।

प्रत्येक श्रेणी से, 3 टीमें, सम्मानित निर्णायकों एनआईटी सहायक प्रोफेसर रायपुर के डॉ. आकांक्षा श्राफ, सहायक प्रोफेसर आईआईटी भिलाई डॉ. सत्यजीत गुप्ता और एनटीपीसी कंचन मलिकर (एनटीपीसी) द्वारा विभिन्न स्तरों पर ग्रेडिंग के आधार पर चयन किया गया। कार्यक्रम का समन्वय संकाय सदस्यों डॉ. कविता जयसवाल और डॉ. अरुणा शुक्ला द्वारा किया गया और छात्र समन्वयक श्रेयांश कुशवाह, वैष्णवी श्रीवास्तव और अनुष्का एक्का ने कार्यवाही की देखरेख की।

बारहमासी और सुआ नृत्य का दर्शकों ने उठाया लुत्फ

रायपुर। शासकीय दुबे महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. किरण गजपाल ने सभी प्रतियोगिताओं का निरीक्षण किया। साथ ही छात्राओं की सराहना की। इस दौरान विभिन्न ललित कला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें ग्रीटिंग कार्ड, थाली सज्जा, मेहंदी, पुष्प सज्जा एवं केश सज्जा प्रतियोगिता रहीं।

सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं समूह गीत, एकल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। छात्राओं ने बारहमासी, गौरा-गौरी, सुआ, पंथी के साथ पंजाबी, राजस्थानी तथा दक्षिण भारतीय नृत्य प्रस्तुत किए। दर्शकों से भरे ऑडिटोरियम में सभी ने बहुत आनंद उठाया। संपूर्ण कार्यक्रम छात्रसंघ प्रभारी डॉ. वैभव आचार्य, सदस्य डॉ. मिनी एलेक्स, डॉ. कल्पना मिश्रा, डॉ. रितु मारवाह एवं डॉ. प्रीतिबाला जायसवाल द्वारा आयोजित किया गया। नृत्य की संयोजक डॉ. स्वप्निल कर्महे के मार्गदर्शन में नृत्य प्रतियोगिता संपन्न हुई।

पिछले साल की तुलना ठंड कम, इसलिए उम्मीद अनुसार व्यापार नहीं

सर्दी का मौसम विदाई की दहलीज पर, तिब्बती वुलन मार्केट ठंडा पड़ा

कार्नर न्यूज

रायपुर। सर्दी का मौसम विदा होने की दहलीज पर आ चुका है। राजधानी में साल दर साल ठंड कम होती जा रही है। पहले जब कड़ाके की ठंड पड़ती थी, तब तिब्बती वुलेन मार्केट में ग्राहकों की भीड़ हुआ करती थी। जब से ठंड कम पड़ने लगी है, बाजार में पहले जैसी रौनक नहीं दिखती। हरिभूमि ने सोमवार को तिब्बती वुलेन मार्केट का जायजा लिया। यहां स्टाल सजाने वाले दुकानदार बताते हैं, सामान्य समय में बिक्री अच्छी रही, लेकिन मौसम की मार धंधे पर जरूर पड़ी है। ठंड कम होने से लोगों को जैकेट की जरूरत नहीं पड़ी। स्वेटर में ही सर्दी का मौसम निकल गया। तिब्बती वुलन मार्केट में दिल्ली से लेकर कोलकाता तक के व्यवसायी आए हुए हैं। यहां महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक गर्म कपड़े बेचे जा रहे हैं, जिसमें स्वेटर से लेकर ट्रेंडी कोट तक उपलब्ध है। तिब्बती मार्केट में फैंसी आइटम के ढेरों वैरायटीज उपलब्ध हैं। लड़कियों के लिए स्टाइलिश लुक क्रिएट करने के लिए जबरदस्त कलेक्शन है। जेंट्स के लिए जैकेट्स, स्टाइलिश मफलर भी है। वहीं बच्चों के लिए आर्कषक स्वेटर, जैकेट व कैप भी है।

नवबंर-दिसंबर में लगी रही ग्राहकों की भीड़

डिक्की ने बताया कि तिब्बती बाजार में वे पहली बार आईं। उनका कारोबार ठीक ही रहा। उनकी दुकान से जैकेट स्वेटर, जैकेट, ब्लेजर, शॉल व मफलर समेत ठंड के लगभग सारे सामान बिके। सर्दी कम होने से बाजार अब ठंड पड़ता जा रहा है। नवंबर व दिसंबर के महीने में ग्राहकों की भीड़ लगी रही। सबसे ज्यादा महिलाओं ने शॉल खरीदी। इनकी रेंज 500 से 2000 रुपए तक रही। इसके अलावा लोगों ने स्वेटर भी खरीदे, जिनकी कीमत 1100 से 2000 रुपए तक रही। ऊन के बुने हुए स्वेटर, कैप व बच्चों के मोजे भी खूब बिके, जिनकी कीमत 70 से 500 रुपए तक रही। बीते दो महीने में फैंसी स्वेटर व ब्जेलर की मांग पूरी नहीं हो रही थी, लेकिन जैसे ही ठंड कम हुई, बाजार में लोग दिखने बंद हो गए। इक्का, दुक्का लोग दिनभर दुकान पर आते हैं, बाकी सारा दिन ग्राहकों की राह देखते हुए गुजरता है।

पिछले साल के मुकाबले ठीक रहा कारोबार

तिब्बती वुलेन मार्केट में स्टाल लगाने वाली दार्जिलिंग निवासी टेजिंग ने बताया कि इस साल कारोबार पिछले साल के मुकाबले ठीक ही रहा। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा बच्चों के गर्म कपड़े बिके हैं, जिनकी रेंज 250 से 1500 रुपए तक है। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए लोग फैंसी व मंकी कैप खरीद रहे हैं, जिनकी कीमत 150 से 400 रुपए तक है। महिलाओं ने जरूर स्वेटर व ब्लेजर खरीदे। इसमें उन्होंने रेगुलर व पार्टी वियर दोनों तरह के ब्लेजर लिए हैं। स्वेटर जहां 300 से 2000 रुपए तक के बिके, वहीं ब्लेजर 1900 से 2500 रुपए तक बिके। इसके अलावा लोग हाथ से बुने स्वेटर भी बहुतायत में ले गए हैं। मौसम का असर व्यवसाय पर पड़ा है। सुरेश शेरपा ने बताया कि उम्मीद से अच्छा कारोबार हुआ है। पिछले साल से ज्यादा लोग इस बार स्वेटर, जैकेट, ब्लेजर व शॉल खरीदकर ले गए हैं।

सिटी लाइव

कई ऐसे हीरे, जो निरंतर पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं

रायपुर। छत्तीसगढ़ कौशल विकास एवं जनसेवा समिति द्वारा प्रदेश स्तरीय शासकीय, सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं समाज सेवकों के उत्कृष्ट कार्यों को शनिवार को दतरेंगा रायपुर में कार्यक्रम आयोजित कर सराहा एवं सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष खेमराज बाकरे ने कहा कि कई ऐसे हीरे, जो निरंतर पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं, ऐसे में उन्हें सामने लाना हम सबकी जिम्मेदारी है, ताकि हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकें। आयोजन समिति द्वारा छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, स्व रोजगार से जोड़ना जैसे कार्य करते आ रहे हैं।

शुद्ध गांधीवादी कृषक दल की बैठक

भारतीय प्रजातांत्रिक शुद्ध गांधीवादी कृषक दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष केके शुक्ला द्वारा रविवार को सभी जिलों के पदाधिकारियों की रायपुर प्रांतीय कार्यालय में बैठक रखी गई, जहां नगरीय निकाय चुनाव से संबंधित चर्चा की गई। इस दौरान सभी जिलों के कार्यकर्ताओं ने नगरीय चुनाव में हिस्सा लेने की इच्छा जाहिर की, परंतु प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शुक्ला ने कोर कमेटी में बात रखने और उसके पश्चात निर्णय लेने की बात कही। बैठक में बिलासपुर से हरेंद्र सिंह, जांजगीर से राजेश बरेठ, कोरबा से दीपेंद्र चंद्रा, रायपुर से गजेंद्र ठाकुर, दुर्ग से योगेश दुबे, धमतरी से डॉ. मेश्राम, कांकेर से मोतीलाल मिश्रा, मुंगेली से रेखराम मोहिले आदि सभी जिलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

धर्म लाइव

जीवन में शिकवा कम करें, शुक्रिया ज्यादा करें, तन-मन रहेगा स्वस्थ

रायपुर। चतुर्दिवसीय वेद पारायण महायज्ञ एवं वेद कथा का आर्य समाज में आयोजन किया गया। इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त वैदिक विद्वान आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री ने कहा कि जीवन को सुख में बनाना है, तो शिकवा कम करो और शुक्रिया ज्यादा करो। जिनका स्वभाव शिकायत करने का होता है उससे कोई प्रसन्न नहीं रहता। ईश्वर भी ऐसे लोगों को पसंद नहीं करता। आप अपने जीवन में नियम बनाकर के देखिए। आपका जीवन सकारात्मक बनने लगेगा। आपका गुस्सा कम होने लगेगा। आपका चिड़चिड़ापन कम होने लगेगा। बीपी और शुगर नियंत्रित होने लगेगा। जीवन में बदलाव महसूस होगा। प्रार्थना भी तभी पूरी होती है।

मनुष्य का जन्म 84 योनियों से गुजरने के बाद

कार्यक्रम में आचार्य डॉ अजय आर्य ने कहा कि मनुष्य का जीवन 84 लाख योनियों के बाद मिलता है। इसका मूल्य समझिए। निंदा चुगली ईर्ष्या द्वेष, दुर्व्यसनों में पड़कर इसे नष्ट मत करो। चंद्रशेखर शास्त्री ने सेक्टर 8 में स्थित आस्था वृद्ध आश्रम पहुंचकर वृद्धजनों से बातचीत की। उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें उपदेश दिया। उन्होंने कहा तीन बातें याद रखिए। मीठा बोलो, ईश्वर का नाम जपो और शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए भ्रमण करो, प्राणायाम करो। भजन गायक दिनेश पथिक ने प्रस्तुत किया। अवनी भूषण पुरंग, प्रवीण गुप्ता, सरोज बहल मौजूद थे।

समाज इवेंट

पंचकोटा और फुगड़ी की बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुति

रायपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या सरस्वती विहार में सोमवार को शिशु वाटिका में शिशु नगरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि राजेंद्र फौजदार समिति सदस्य, विशेष अतिथि रामकुमार वर्मा शिशु वाटिका के प्रांतीय प्रमुख अध्यक्ष, श्रेणिक देशलहरा समाजसेवी, अश्वनी बानी पूर्व अभिभावक, ज्योति अग्रवाल अभिभावक, रमा यादव समाजसेवी, सपना सिंह समाजसेवी, डॉ. ईरावत भूषण परगनिहा विद्यालय की प्राचार्य रहीं।

12 आयामों की प्रदर्शनी

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उसके बाद शिशु वाटिका के भैया-बहनों का विविध वेशभूषा, सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम, खेल एवं अभिभावक माताओं का खेल पंचगोटा व फुगड़ी आयोजित किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वालों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम में शिशु वाटिका के 12 आयामों की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में लगभग 50 अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शांति पाठ के साथ समापन किया गया।

कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई, भविष्य की मांग देखते बढ़ रहा स्टूडेंट्स का रुझान

एनआईटी में बनेगा एआई हब, रोबोटिक सिस्टम से होगी पढ़ाई, रविवि में भी नया डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की तैयारी

इंटरनेट क्रांति ने दुनिया को तेजी से बदलकर रख दिया है। जैसे-जैसे डिजिटल दौर पांव पसार रहा है, वैसे-वैसे मानव जीवन आसान हो रहा है। इंटरनेट दूरदराज इलाकों में जहां अच्छे स्कूल-कॉलेज नहीं, वहां वरदान साबित हो रहा है। डिजिटल दौर आगे बढ़ता देख शिक्षण संस्थान भी अपग्रेड हो रहे हैं। अपने-अपने संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैटजीपीटी का प्रयोग करने लगे हैं।

रविवि और रावतपुरा में एआई कोर्स की तैयारी

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस व सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में पृथक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स शुरू करने की तैयारी चल रही है। सीएस, आईटी के विभागाध्यक्ष व डीन डॉ. संजय कुमार ने बताया कि अगामी सत्र में पीजीडीएआई पोस्ट ग्रेजुकेशन डिप्लोमा इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शुरू करने की योजना है। इस कोर्स में दो सेमेस्टर होंगे। यह तीन थ्योरी व दो प्रैक्टिकल पर आधारित होगा। इसे 20 सीट के साथ शुरू किया जा रहा है। इसके लिए दो गेस्ट फैकल्टी रखे जाएंगे। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में फिलहाल में बीटेक अंतर्गत एआई पढ़ाया जा रहा है। वीसी एसके सिंह ने बताया कि आगामी सत्र में पूरी तरह से एआई केंद्रित बीटेक कोर्स शुरू करने की तैयारी है।

चैटजीपीटी का अनावश्यक इस्तेमाल सही नहीं

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सेजबहार के कंप्यूटर साइंस और सूचना प्रौद्यागिकी ब्रांच के पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को पढ़ाया जा रहा है। जल्द ही परिसर में एआई हब को खोलने की तैयारी चल रही है। गेस्ट प्रोफेसर पुष्पेंद्र द्विवेदी ने बताया कि युवाओं का रुझान एआई की ओर तेजी से बढ़ रहा है। समय-समय पर उन्हें एआई संबंधी असाइनमेंट दिया जाता है। इस बात पर बहुत ध्यान दिया जाता है कि स्टूडेंट ने एआई के ही एप्लिकेशन चैटजीपीटी का इस्तेमाल तो नहीं किया। चैटजीपीटी का अनावश्यक इस्तेमाल सही नहीं है। इसका ज्यादा उपयोग मानसिक दिव्यांगता की ओर ले जा सकता है। इससे मानव दिमाग अपना कार्य अपनी क्षमता अनुरूप नहीं कर पाएगा।

रायपुर। चैटजीपीटी एक वर्चुअल असिसटेंट है, जिसका उपयोग सवालों के जवाब व कंटेंट निर्माण आदि में किया जाता है। यह एक कंप्यूटर प्रोग्राम है। इसमें वर्चुअल गाइड सर्च के मुताबिक जवाब देता है। राजधानी के एनआईटी, ट्रिपलआईटी, जीईसी व पं. रविशंकर शुक्ल विवि में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। हरिभूमि ने सोमवार को शहर के उच्च शिक्षण संस्थानों में संचालित एआई कोर्स के बारे में जाना। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता। इसके जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे मानव

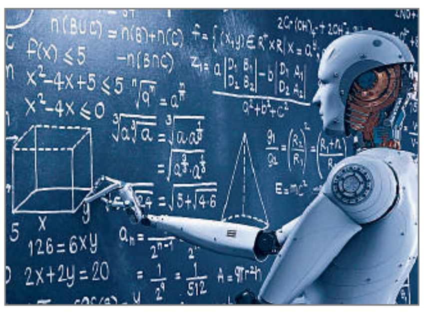

मस्तिष्क के तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है। एआई कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट है। मानव मस्तिष्क कैसे सोचता है और समस्या को हल करते समय कैसे सीखता है, कैसे निर्णय लेता है और कैसे काम करता है, आदि के बारे में अध्ययन करता है। इसमें मशीन लर्निंग, पैटर्न रिकॉग्निशन, बिग डेटा, न्यूरल नेटवर्क, सेल्फ एल्गोरिदम आदि प्रौद्योगिकी शामिल हैं। फेसबुक पर अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सुझाए गए मित्रों की सूची, जूते और कपड़ों के पसंदीदा ब्रांड की आगामी बिक्री के बारे में बताने वाला पॉपअप पेज, जो इंटरनेट ब्राउज करते समय स्क्रीन पर आता है, ये सब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का ही काम है।

एआई दोधारी तलवार की तरह : प्रो. प्रदीप

राजधानी के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को संचालित किया जा रहा है। एनआईटी के कंप्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रदीप सिंह ने बताया कि बीटेक के 5, 6 व 7वें सेमेस्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पढ़ाया जा रहा है। इसमें युवाओं को बड़े भाषा मॉडल्स जैसे डेटा साइंस, मशीन व डीप लर्निंग, रीइन्फोर्समेंट लर्निंग पढ़ने मिल रहे हैं। इसके अलावा पढ़ाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ही स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग हो रहा है। प्रो. प्रदीप बताते हैं कि आने वाला समय एआई का है। एआई के माध्यम से ही आजकल फेक वीडियो, इमेज व वाइस बनाई जा रही है और वो पकड़ भी एआई से आ रही है। एआई दोधारी तलवार की तरह है।

परिवार-स्वर्ग का द्वार कार्यक्रम में आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री के उद्गार

जीवन में धन उतना ही कमाओ जितने में धर्म का साथ न छूटे

रायपुर। वैदिक सत्संग समिति एवं विजय लाहोटी परिवार की सौजन्य से आयोजित परिवार-स्वर्ग का द्वार कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वेद कथाकार आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री ने कहा कि सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, इससे घबराना नहीं चाहिए। समय पूरा होने पर ये चले जाते हैं। सुख और दुख परिवार के सदस्य नहीं हैं, ये मेहमान हैं और मेहमान कभी भी कहीं भी परमानेंट नहीं रहते। स्नेह, सहयोग, सहानुभूति, सद्भाव से परिवार स्वर्ग बनता है। स्वर्ग का नाम सुख विशेष है। बड़े-बड़े

भवनों से सोने-चांदी एकत्रित करने से आप सुखी नहीं हो सकते। आप सुखी तब होंगे, जब आपका जीवन पवित्र होगा, समर्पित होगा। उन्होंने आगे बताया कि एक बार एक परिचित स्वामीजी एक धर्मशाला का दरवाजा खटखटा रहे थे। उन्हें रात्रि में अपने शिष्यों के साथ विश्राम करना था। वहां जो सेवक आया, उसने दरवाजा खोला और स्वामीजी से कहा कि यहां ठहरने की व्यवस्था नहीं है। प्रतिदिन ईश्वर से प्रार्थना करो कि मैं किसी के काम आ सकूं। किसी का सुख बढ़ा सकूं। धन उतना मत कमाओ, जितना आप कमा सकते हो, धन उतना कमाओ, जितने में धर्म का साथ न छूटे। खाना उतना मत खाओ, जितना तुम खा सकते हो, खाना उतना खाओ, जितना तुम पचा सकते हो। रिश्ते उतने मत बनाओ, जितने तुम बना सकते हो, रिश्ते उतने बनाओ, जितने तुम निभा सकते हो।

यदि गुरु पर विश्वास नहीं तो किसी पर भी विश्वास हो पाना असंभव

श्रीमद भागवत कथा में अमृत मंथन का प्रसंग आने पर कथावाचक पं. मनोज कृष्ण शास्त्री ने कहा कि जब भगवान का दर्शन हो जाता है तो मन गदगद और प्रफुल्लित रहता है। मोहिनी अवतार में असुरों को भगवान के सौंदर्य का दर्शन हुआ और वे उसी में पूरे समय तक डूबे रहे, फिर उन्हें किसी भी चीज का ध्यान नहीं रहा। मोहिनी अवतार में जब भगवान वहां से अदृश्य हो जाते हैं, तब गुरु शुक्राचार्य उनसे कहते हैं कि वे स्वयं नारायण थे, जिसके सौंदर्य के वश में आप सब मोहित होकर सबकुछ भूल बैठे। जब तक भगवान के चरणों का दर्शन नहीं होता, तब तक भगवान का दर्शन भी नहीं होता। जब गुरु की कृपा होती है, तभी सबकुछ संभव हो सकता है। गुरु पर विश्वास होना चाहिए, यदि गुरु पर विश्वास नहीं है तो किसी पर भी विश्वास हो पाना असंभव है। पं. शास्त्री ने कहा कि इस संसार में जो भी संबंध हैं, वे सब माने हुए संबंध हैं, केवल भगवान से ही जो संबंध होता है, वह मानने वाला नहीं होता, क्योंकि मनुष्य ने मान लिया है कि इससे मेरा संबंध है, उससे मेरा संबंध नहीं है, वह मेरे और तेरे के फेर में ही पूरी तरह से डूबा हुआ है तो फिर

भगवान से कैसे संबंध बना सकता है। भादो महीने की विशेषता बताते हुए शास्त्रीजी ने कहा कि इस मास में कन्हैया, श्रीगणेश, किशोरीजी, वामन और रामदेव का अवतार हुआ। वामन भगवान की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि वामन भगवान राजा बलि के आधिपत्य से तीनों लोकों को मुक्त कराने आए, लेकिन वे राजा बलि की भक्ति से आसक्त हो गए। ब्राह्मण यदि दरवाजे पर भिक्षा लेने आए तो इससे बड़े सौभाग्य की बात और कुछ नहीं हो सकती, क्योंकि स्वयं नारायण भिक्षा लेने आते हैं। जैसे वामन भगवान राजा बलि के यहां भिक्षा लेने ब्राह्मण का अवतार लेकर पहुंचे।

दार्शनिक संत का प्रवचन कल

वैदिक सत्संग समिति के राकेश दुबे ने बताया, गुजरात के दार्शनिक संत स्वामी विवेकानंद परिव्राजक का प्रवचन कार्यक्रम वृंदावन हॉल में रखा गया है। यह कार्यक्रम 21 जनवरी की शाम को 5.30 बजे से 8.30 बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में जीवन की समस्याओं का समाधान, ईश्वर की व्यवस्था, स्वर्ग-नरक आदि विषयों पर जिज्ञासु प्रश्न पूछ सकेंगे। यह कार्यक्रम जीवन निर्माण करने और आध्यात्मिक जिज्ञासा को शांत करने के लिए बहुत ही उपयोगी होगा। कार्यक्रम में विजय लाहोटी, संजय शर्मा, अजय साहू, राजेंद्र अग्रवाल, एसके पोद्दार, भूपेंद्र, कृष्ण, कमलेश, नंदकुमार आर्य, विनीत शर्मा, रवि, अनीता वर्मा, नम्रता दुबे एवं लाहोटी परिवार, शिवन गुप्ता, कमलनारायण आर्य, नंदकुमार आर्य, जेसी जैन, विलास, डॉ. वीके पाठक आदि उपस्थित रहे।

कम समय के लिए मिलते हैं सिनेमाहॉल कंटेंट का खर्च तक नहीं निकल पाता

रायपुर। यूट्यूबर के रूप में मैंने करियर शुरू किया। छोटे-छोटे वीडियो बनाते हुए अपनी कला को ग्रामीण परिवेश में ही तराशना शुरू किया तो इसे लोगों ने देखा और पसंद किया। इसके बाद हंडा समेत कई फिल्मों में काम किया। उसे भी दर्शकों का भी अच्छा रिस्पांस मिला। इसके चलते छॉलीवुड में काम करने का अवसर मिला और इसी वजह से ही आप लोगों के बीच हूं।

सोमवार को पत्रकारों से रूबरू कार्यक्रम में छालीवुड स्टार अमलेश नागेश ने उक्त बातें कहीं। इस दौरान डायरेक्टर प्रणव झा और निर्माता रोशन विरवानी भी मौजूद थे। निर्माण से जुड़े कई तकनीकी पहलुओं को लेकर श्री झा ने चर्चा में कहा कि प्रदेश में लोकेशन की कमी नहीं है। इसके लिए माहौल जरूरी है।

लागत भी ज्यादा होगी

वहीं नागेश ने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा में कंटेंट को लेकर हमेशा सवाल उठता है, लेकिन कारण जानने का प्रयास नहीं किया जाता। जब सिनेमा में कंटेंट व भव्यता बढ़ेगी तो लागत भी ज्यादा होगी। खर्च निकालने में इसलिए भी दिक्कत आती है, क्योंकि सिनेमा हॉल कम समय के लिए हमें मिलते हैं। इसके चलते बड़ी बजट वाली फिल्में कम बनती हैं। अगर सिनेमा हॉल पर्याप्त मिलें तो फिल्मों का ग्रॉफ बेहतर होगा। नायिका एल्सा घोष ने नागेश की बातों का समर्थन करते हुए कहा कि फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए सरकार को भी सहयोग देना चाहिए। इससे छत्तीसगढ़ी फिल्में भी ज्यादा कमाई कर सकेंगी।

रूबरू कार्यक्रम में बोले छॉलीवुड स्टार अमलेश नागेश

गणतंत्र दिवस की तैयारी, बल्क में आर्डर दे रहे रिटेलर्स

कार्नर न्यूज

तिरंगे से सजा बाजार, इस बार कॉटन, सिल्क, रेशम और खादी के कपड़े से बने झंडे की मांग अधिक

रायपुर। इस गणतंत्र दिवस को खास बनाने के लिए मार्केट में कॉटन, सिल्क, रेशम और खादी के कपड़े से निर्मित तिरंगा बाजार में पसंद किया जा रहा है। इस दिन झंडा लेकर छोटे बच्चे स्कूल जाना पसंद करते हैं। इसे देखते हुए कागज और कपड़े का तिरंगा रिटेलर्स भी थोक व्यापारियों के पास आर्डर करने पहुंचते हैं। 26 जनवरी को भारी डिमांड के चलते गोलबाजार में थोक व्यावसाय से जुड़े विमल जैन और अरिहंत जैन ने बताया कि इस बार हर वर्ग को उत्सव का एहसास कराने के लिए देशभक्ति से ओतप्रोत कई तरह की सामग्री है। इस साल पहली बार कई चीजें लोगों को बाजार में मिलने वाली हैं, जो पहले नहीं मिलती थीं।

शांति का कबूतर खास

दुकानों पर इस पर्व को प्लास्टिक मुक्त करने के लिहाज से भी बाजार सजाया है। मेटल का हवाई जहाज, अशोक चक्र, शांति का कबूतर भी बैच के रूप में दिल के पास सजने वाला है। घर, ऑफिस व कारों में लोग फाइबर से बना तिरंगा चक्र भी लगाने के लिए आर्डर कर रहे हैं। इसे खरीदने के लिए इस बार फैंसी स्टोर्स के संचालक भी बल्क में आर्डर करने पहुंचने लगे हैं। इनमें से अधिकतर वस्तुएं मुंबई, दिल्ली से मंगाई गई हैं।

खास तरीके से डिजाइन

इस बार गणतंत्र दिवस को यादगार बनाने के लिए प्लास्टिक से तैयार सामग्री रखने से दुकानदार बच रहे हैं। पहले प्लास्टिक वर्क वाले तिरंगा बैच ही बिकते थे। इस सीजन में मुंबई से खास तरीके से डिजाइन किए गए बैच आए हैं। इनकी कीमत भी 30 से 50 रुपए प्रति नग है। इससे लोग खरीदने में रुचि ले रहे हैं। मेटल वर्क वाले बैच संभालकर रख सकते हैं, यानी इसे लोग जहां-तहां नहीं फेकेंगे। इसे कई साल तक खास मौके पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

रिस्टबैंड और टेबल स्टैंड भी

लोग रिस्टबैंड बांधकर भी खास बना सकेंगे। कई तरह की डिजाइनर्स रिस्टबैंड को कपड़े से तैयार की है। इस बार भी ब्रास व मेटल के साथ कपड़े की मदद से देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करते टेबल में रखने खास तरह के स्टैंड डिजाइन किए गए हैं। इसे लोग ऑफिस, कारों में रख सकेंगे। इसके खराब होने व टूट-फूट की संभावना कम होती है। करीब 400 की रेंज में मिलने से कार श्रृंगार करने वाले बल्क में आर्डर कर रहे हैं।

वास्तु शास्त्र

बेडरूम में कभी भी न रखें ये चीजें, वरना जीवनभर झेलनी पड़ सकती है परेशानियां

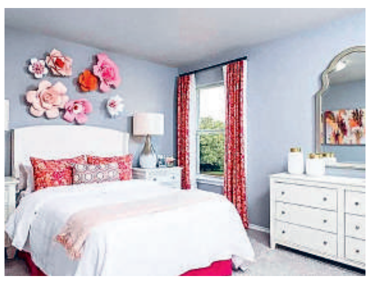

वास्तु शास्त्र हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है। वास्तु शास्त्र में कई ऐसी चीजें बताई गयी है, जो व्यक्ति के जीवन को संवारने का काम करती है। उन्हीं में शामिल है, बेडरूम से जुड़े कुछ नियम, जिन्हें फॉलो करने पर जीवन में अवसाद नहीं आता है। वास्तु शास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई है, जिन्हें बेडरूम में भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। यदि हम ऐसा करते है तो गहरे अवसाद का सामना करना पड़ सकता है। चलिए जानते है-

वास्तु अनुसार बेडरूम में नहीं रखने वाली चीजें

- वास्तु शास्त्र के मुताबिक, मृत व्यक्ति की फोटो बेडरूम में भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा खींची चली आती है और परिवार के सदस्यों की मानसिक स्थिति बिगड़ने लगती है। आपको ये तस्वीरें घर के मंदिर, बरामदे अथवा डाइनिंग हॉल में लगा देनी चाहिए।

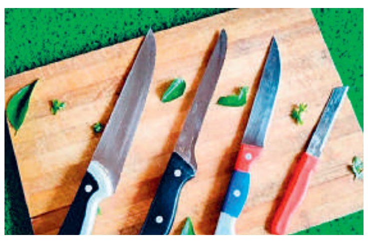

- धारदार चीजों को भी कभी अपने बेडरूम में नहीं रखना चाहिए। इस तरह के चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है, जो घर-परिवार में क्लेश का कारण बनती है। इस तरह की चीजों को रसोई घर में अथवा अन्य बंद स्थानों पर रखें, जिससे पॉजिटिव एनर्जी बनी रह सके।

- वास्तु शास्त्र के मुताबिक, धार्मिक किताबों को बेडरूम में भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। इसकी वजह है कि, यहां पर रति क्रिया भी होती है, जो धार्मिक पुस्तकों का अपमान है। आप चाहे तो इन पुस्तकों को घर के मंदिर में रखें।

-देवी-देवताओं की मूर्तियों को बेडरूम में रखना अशुभ माना गया है। यदि ऐसा करते है तो परिवार के सदस्य मानसिक तनाव से ग्रसित हो सकते है।

- बेडरूम में झाड़ू भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। झाड़ू को मां लक्ष्मी के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसलिए झाड़ू को घर के प्रमुख स्थानों से बाहर ऐसी जगह पर रखना चाहिए, जहां स्वछता हो। बेडरूम में झाड़ू रखने से आर्थिक तंगी और बीमारियां जन्म लेती है।

ज्योतिष शास्त्र

कुंभ राशि में शनि-शुक्र युति से इन राशियों पर होगी धनवर्षा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब दो ग्रह एक साथ एक राशि में पहुंच जाते हैं तो ग्रहों की युति होती है। इस युति के प्रभाव से संपूर्ण राशिचक्र प्रभावित होता है, जिससे जातकों के जीवन में भी कुछ न कुछ बदलाव देखने को मिलते है। इसी कड़ी में अब शनि और शुक्र जैसे शक्तिशाली ग्रह कुंभ राशि में प्रवेश कर चुके है। दोनों ग्रहों की युति से 3 राशियों के जातकों की परेशानी कम होने लगेंगी। चलिए जानते है उनके बारे में-

युति का राशियों पर प्रभाव

- मकर राशि के जातकों के जीवन में शनि-शुक्र युति का शुभ प्रभाव देखने को मिलेगा। इन जातकों की आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर बनेगी। साथ ही कारोबार में आमदनी बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। प्रमोशन भी संभव है।

- तुला राशि के जातकों के लिए शनि-शुक्र की युति कई लाभ देने वाली है। इन जातकों का यदि कोई प्रेम संबंध चल रहा है, तो वह विवाह में तब्दील होगा। राजनीती में कार्यरत लोगों को बड़ा पद मिल सकता है। कारोबार में विस्तार और कला से जुड़े क्षेत्र में शोहरत प्राप्ति की प्रबल संभावना है।

- मेष राशि के जातकों के लिए शनि-शुक्र का एक साथ आना लाभप्रद रहेगा। इन जातकों के जीवन में चल रही रुपये-पैसे की तंगी दूर होगी। साथ ही कारोबार में आकस्मिक धनलाभ से मन प्रसन्न और सकारात्मक रहेगा।

इसे खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और बचा जा सकता है बीमारियों से

सर्दियों में सभी को खाना चाहिए कच्ची हल्दी का अचार, जानिए इसकी आसान रेसिपी

अचार भारतीय खान-पान का अहम हिस्सा है, जिसका नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। हालांकि, हर दिन आम, लहसुन और नींबू का अचार खाना मन को उबा देता है। अगर आप कोई नए तरीके का अचार बनाकर खाना चाहते हैं तो एक बार कच्ची हल्दी का अचार आजमाकर देखें। सर्दियों के दौरान इसे खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और बीमारियों से बचा जा सकता है। आइए इस व्यंजन की आसान रेसिपी जानते हैं। कच्ची हल्दी का अचार बनाना आसान होता है और यह झटपट बनकर तैयार हो जाता है। हालांकि, इसे कुछ दिनों तक धूप में सुखाना जरूरी होता है।

कच्ची हल्दी का अचार तैयार करने जरूरी सामग्रियां

इसे बनाने के लिए आपको 1 कप या 250 ग्राम कच्ची हल्दी, 2 बड़े चम्मच सरसों का तेल, नमक, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच मेथी दाना, एक चम्मच सरसों के दाने, एक अदरक, एक चम्मच हींग और आधा कप नींबू का रस चाहिए होगा।

कच्ची हल्दी का अचार खाने के फायदे

कच्ची हल्दी में कारकियुमिन नामक यौगिक पाया जाता है, जो दिल के स्वास्थ्य को दुरुस्त करता है और कैंसर के इलाज में मदद करता है। इस अचार में एंटी फंगल, एंटी ओक्सिडेंट और एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जिसके कारण यह संक्रमण को रोकने में योगदार देता है। अगर आप रोजाना इसे भोजन के साथ खाते हैं तो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो सकती है और त्वचा संबंधी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं।

स्टेप 1

हल्दी को धो कर कर लें कद्दूकस

कच्ची हल्दी का अचार तैयार करने के लिए सबसे पहले हल्दी और अदरक को छील लें। अब हल्दी को धूप में रखकर तब तक सुखाएं, जब तक इसका पानी पूरी तरह से सूख न जाए। सूखने के बाद हल्दी को कद्दूकस कर लें और अचार बनाने की शुरुआत करें। एक कढ़ाई में सरसों का तेल डालें और उसे अच्छी तरह गर्म होने दें। इसमें हींग, मेथी, अदरक, सरसों के दाने, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर भून लें।

स्टेप 2

मसाला मिलाने से तैयार होगा आपका अचार

सभी मसालों के भुन जाने के बाद इस तेल को कद्दूकस की हुई हल्दी पर डाल दें। हालांकि, ध्यान रहे कि तेल हल्का ठंडा हो चुका हो।इसे हाथों की मदद से अच्छी तरह मिलाएं और इसमें नींबू का रस भी शामिल कर दें। अब इस अचार को 3 से 4 दिनों तक धूप में रख दें, ताकि यह सूख जाए और लंबे समय तक खाने लायक रहे। इसे कांच की बरनी में भरें और खाने के साथ परोसें।

मिक्सर जार से आ रही है बदबू तो काम आएगा केले का छिलका

मिक्सर जार बार-बार इस्तेमाल के कारण इसमें फंसे खाने, मसालों या गीली चीजों की वजह से बदबू आने लगती है। ऐसे में कई बार धोने के बाद भी बदबू खत्म नहीं होती। अगर आपके साथ ही ऐसा है, तो हम आपको बताएंगे केला का छिलका इस्तेमाल करने का यूनिक तरीका जिससे जार की बदबू कम कर सकते हैं। केले का छिलका न सिर्फ पोषण से भरपूर फल का हिस्सा है, बल्कि यह एक बेहतरीन प्राकृतिक क्लीनर भी है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एंजाइम और फाइबर मिक्सर जार की बदबू को हटाने में मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

सबसे पहले एक केले का छिलका लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। मिक्सर जार में यह छिलका डालें और थोड़ा पानी मिलाएं।

मिक्सर को 30-40 सेकंड के लिए चलाएं। यह छिलका जार के अंदर के दाग-धब्बों और बदबू को हटाने में मदद करेगा। मिक्सर जार को अच्छी तरह से धो लें और

फिर सूखने के लिए रख दें।

केले के छिलके के साथ नमक मिलाएं

अगर आप अंदर से जार की सफाई करना चाहते हैं, तो इसके साथ नमक मिला सकते हैं। नमक जार की अच्छी तरह सफाई करता है और छिलके बदबू मिटाने के काम करेगा।

कैसे करें इस्तेमाल : केले का छिलका छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। इसमें एक चम्मच नमक डालें और थोड़ा पानी मिलाएं। इस मिश्रण को मिक्सर में डालकर चलाएं।

बेकिंग सोडा और केले का छिलका

बेकिंग सोडा से जार में जमी चिकनाई और गंदगी आसानी से हट जाती है। वहीं, केले के छिलके जार में नयापन लाने का कम करते हैं। आप इसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : केले का छिलका और 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिक्सर जार में डालें। थोड़ा पानी डालकर मिक्स करें। गर्म पानी और केले के छिलके का करें इस्तेमाल। जार में इतना गर्म पानी डालें कि छिलका अच्छी तरह डूब जाए।

मिक्सर को 30 सेकंड से 1 मिनट तक चलाएं। छिलके और गर्म पानी के मिश्रण को जार के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंचाती है, जिससे दाग और बदबू हटती है। मिक्सर को बंद करें और मिश्रण को फेंक दें। जार को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। जार को खुली हवा या धूप में सुखाएं, ताकि नमी पूरी तरह खत्म हो जाए।

हमेशा भिगोकर ही खाएं ये ड्राई फ्रूट्स, होंगे कई जबरदस्त फायदे

ड्राई फ्रूट्स हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित होते है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्ल भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ड्राई फ्रूट्स खाने से शरीर को एनर्जी मिलने के साथ ही यह डाइजेशन, स्किन और इम्यूनिटी को भी बूस्ट करने का काम करते हैं। वैसे तो आप ड्राई फ्रूट्स का सेवन सीधा भी कर सकते हैं लेकिन इन्हें भिगोकर खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। ड्राई फ्रूट्स को भिगोकर खाने से शरीर में इनका अवशोषण सही तरीके से हो पाता है। तो आइए जानते हैं किन ड्राई फ्रूट्स को आपको भिगोकर खाना चाहिए।

किशमिश- किशमिश में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। भिगोने से इसके पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है और यह डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए भी फायदेमंद होता है। किशमिश शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। भिगोने से इसके एंटीऑक्सीडेंट्स का अवशोषण बेहतर होता है।

बादाम- बादाम में विटामिन ई और मैग्नीशियम होता है। भिगोने से इसकी स्किन सॉफ्ट हो जाती है और इसके पोषक तत्वों का अवशोषण सही तरीके से होता है।

अखरोट- अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। भिगोने से इसकी स्किन सॉफ्ट हो जाती है और इसके पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है।

खजूर- खजूर में फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। भिगोने से इसके पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है और यह डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए भी फायदेमंद होता है।

पिस्ता- पिस्ता में विटामिन ई, मैग्नीशियम और पोटैशियम होता है। भिगोने से इसकी त्वचा नरम हो जाती है और इसके पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है।

क्यों भिगोना चाहिए : भिगोने से ड्राई फ्रूट्स की त्वचा नरम हो जाती है और इसके पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। इससे डाइजेस्टिव सिस्टम भी हेल्दी रहता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं।

क्या आप अपने घर में सुरक्षित हैं? इन टिप्स के जरिए घुसपैठियों को रखें दूर

अभी हाल ही में 15 जनवरी की रात को बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर जानलेवा हमला हुआ। घुसपैठिया पैसे चुराने की फिराक में उनके घर के अंदर घुसा था। हालांकि, अभिनेता अब खतरे से बाहर हैं और फिलहाल उनकी हालत में सुधार हो रहा है। इस घटना के बाद से एक सवालिया निशान खड़ा होता है कि क्या हम सब अपने-अपने घरों में सुरक्षित हैं? आइए अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और घुसपैठियों से बचने के टिप्स जानते हैं।

खिड़की-दरवाजों पर लगवाएं अच्छी गुणवत्ता वाले ताले

घर की सुरक्षा बढ़ाने और घुसपैठियों व चोरों को दूर रखने के लिए आपको सबसे पहले मजबूत खिड़की और दरवाजे लगवाने चाहिए।इसके अलावा, सभी खिड़कियों और दरवाजों में अच्छी गुणवत्ता वाले ताले लगवाएं। ऐसा करने से उन्हें तोड़ना मुश्किल हो जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप घुसपैठिये आपके घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। रोजाना रात को सोने से पहले घर में मौजूद सभी खिड़कियों और दरवाजों को बंद करें और हो सके तो डबल लॉक का इस्तेमाल करें।

घर में लगवाएं सीसीटीवी कैमरे :

आज के समय में केवल दफ्तरों में ही नहीं, बल्कि घरों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाना जरूरी हो गया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। आपको अपने घर के प्रवेश द्वार, ड्राइंग रूम, बालकनी और बगीचे आदि में कैमरे लगाने चाहिए। साथ ही, अगर आपके बच्चे अलग कमरों में सोते हैं, तो उनमें भी कैमरे लगवाएं। अपने मोबाइल फोन को इनसे कनेक्ट करें और समय-समय पर सभी कैमरों की फुटेज देखते रहें।

लॉकर में रखें कीमती वस्तुएं : कई लोग अपने सोने के जेवर और पैसे अलमारी में रख देते हैं, जिन्हें चोर आसानी से ढूंढ सकते हैं। अपनी कीमती वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए एक अच्छी गुणवत्ता वाले लॉकर में निवेश करें। सभी गहनों और पैसों को इसी लॉकर में रखें और इसकी चाबी किसी ऐसी जगह पर छुपाएं, जिसकी जानकारी केवल आपको हो। इसके अलावा, आप कीमती वस्तुओं को अलग-अलग लॉकर में भी रख सकते हैं।

स्पीड डायल पर रखें पुलिस का नंबर

अगर आपके घर में कोई घुसपैठिया प्रवेश करता है, तो घबराएं बिना तुरंत स्पीड डायल की सुविधा का लाभ उठाएं। हर मोबाइल में यह सुविधा उपलब्ध होती है, जिसके जरिए आप बिना नंबर मिलाए अपने करीबियों को कॉल कर सकते हैं। अपने स्पीड डायल में पुलिस का नंबर सबसे ऊपर रखें, ताकि कोई भी अनहोनी होने पर उन्हें तुरंत सूचित किया जा सके। इसके अलावा, कुछ ऐप के जरिए आप पुलिस को अपनी लाइव लोकेशन भी भेज सकते हैं।

प्रवेश द्वार का रखें रोशन

घर का प्रवेश द्वार हमेशा अच्छी तरह रोशन होना चाहिए। ऐसा इसलिए जरूरी है, क्योंकि घुसपैठियों के लिए अंधेरे में वारदातों को अंजाम देना आसान हो जाता है। अपने प्रवेश द्वार पर नाईट लैंप लगवाएं और उन्हें रातभर जलने दें। इसके अलावा, आप मुख्य दरवाजे के पास नाइट विजन कैमरा भी लगवा सकते हैं। घर में इन्वर्टर होना भी जरूरी है, ताकि लाइट जाने पर भी रोशनी कम न हो।

स्कूल में मनाना है गणतंत्र दिवस का पर्व समारोह में शामिल करें ये गतिविधियां

झंडा फहराएं और राष्ट्र गान गाएं

गणतंत्र दिवस का उत्सव बिना झंडा फहराए अधूरा रहता है। इस दिन आपको अपने स्कूल में भी झंडा जरूर फहराना चाहिए। यह भारत के संविधान और उसके लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। झंडा फहराने के बाद सभी शिक्षक और छात्र राष्ट्र गान गाएं और देशभक्ति की भावना को व्यक्त करें। झंडा फहराते समय सभी छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करें और उन्हें ऐसा करने का महत्त्व भी समझाएं।

फैंसी ड्रेस स्पर्धा में स्वतंत्रता सेनानियों जैसे तैयार होने कहें

गणतंत्र दिवस पर आप फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन कर सकते हैं। हालांकि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों की तरह तैयार होने के लिए कहें। छात्र जिस भी सेनानी की वेशभूषा अपनाएं, उसे उनके विषय में पढ़ने को कहें। साथ ही, छात्र उनसे संबंधित भाषण भी तैयार कर सकते हैं या उनके लोकप्रिय डायलॉग भी बोल सकते हैं।

भाषण या कविता स्पर्धा का आयोजन

गणतंत्र दिवस के मौके पर आप भाषण या कविता की प्रतियोगिता का आयोजित भी कर सकते हैं। सभी छात्रों को देशभक्ति से जुड़ी कविता या भाषण लिखने को कहें। झंडा फहराने के बाद छात्र अपनी-अपनी कविताएं व भाषण सभा के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं।

देशभक्ति के गीतों पर थिरकें

आप इस खास मौके पर स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी करवा सकते हैं। इस पर्व पर छात्रों को डांस करने और गाना गाने का अवसर प्रदान करें। छात्र देशभक्ति के गीतों पर थिरक सकते हैं और उन्हें गा सकते हैं। इसके अलावा, आप नाटकों का भी आयोजन करवा सकते हैं। इन गतिविधियों के जरिए गणतंत्र दिवस के जश्न का मजा दोगुना हो जाएगा और छात्रों को भी आनंद महसूस होगा।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कोल्डप्ले सिंगर क्रिस मार्टिन ने लिया स्टेज पर शाहरुख का नाम

इन दिनों मुंबई कोल्ड प्ले म्यूजिक बैंड के रंग में रंगा नजर आ रहा है। इस इंटरनेशनल बैंड के कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। हाल ही में बैंड के पॉपुलर सिंगर क्रिस मार्टिन ने स्टेज पर शाहरुख खान का नाम लिया। जिस पर किंग खान ने रिएक्ट किया है? हाल ही में कोल्डप्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन ने अपने स्टेज से शाहरुख खान का नाम लिया और उनके नाम को हमेशा के लिए याद किया जाने वाला बताया। वह स्टेज से कहते हैं, 'शाहरुख खान फॉरएवर।'यह बात सुनकर कॉन्सर्ट में मौजूद लोग, खूब शोर मचाते हैं। इस कॉन्सर्ट में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी पहुंची थीं। वह अपने दोस्तों के साथ क्रिस मार्टिन का कॉन्सर्ट देखने आईं। शाहरुख खान ने भी सोशल मीडिया पर क्रिस मार्टिन को थैंक्स कहा। किंग खान एक्स (ट्विटर) पर लिखते हैं- 'सितारों को देखो, वह तुम्हारे लिए चमक रहे हैं। क्रिस मेरे भाई, तुमने मुझे खास फील करवाया है।' आगे शाहरुख, क्रिस को आई लव यू लिखते हैं।' साथ ही किंग खान यह भी लिखते हैं कि भारतीय लोग भी क्रिस को प्यार करते हैं। शाहरुख खान और क्रिस मार्टिन यह प्यार भरा रिश्ता देखकर फैंस को भी काफी खुशी हुई है। फैंस ने भी शाहरुख और क्रिस मार्टिन को लेकर अलग-अलग तरह के रिएक्शन सोशल मीडिया पर दिए हैं।

टॉलीवुड

महादेव के किरदार में नजर आएंगे अक्षय

स्काई फोर्स की रिलीज से पहले अक्षय कुमार ने अपने प्रशंसकों को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। तेलुगु फिल्म कन्नप्पा से उनका लुक कुछ ही देर पहले जारी किया है, जिसमें वह महादेव के अवतार में नजर आ रहे हैं। साउथ फिल्म कन्नप्पा का ऐलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं, अब अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। अक्षय कुमार कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म 'ओ माय गॉड' में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं।अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय'

भोजपुरी

'ससुराल गेंदा फूल' की लखनऊ में शूटिंग हुई शुरू

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की ऐतिहासिक और खूबसूरत लोकेशंस पर भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक नई और एंटरटेनिंग फिल्म 'ससुराल गेंदा फूल' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म एस आर के म्यूजिक प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही है, जिसके निर्माता रौशन सिंह और सह-निर्माता शर्मीला आर सिंह हैं। फिल्म के निर्देशक संजय श्रीवास्तव हैं, जो अपने निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग बड़े उत्साह और जोश के साथ शुरू हुआ। फिल्म के डीओपी (डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी) सिद्धार्थ सिंह के नेतृत्व में फिल्म बन रही है। इस फिल्म में भोजपुरी सिनेमा के कई बड़े और उभरते हुए कलाकार अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। मुख्य भूमिकाओं में रितेश उपाध्याय और Richa Dixit हैं, जिनके साथ समर्थ चतुर्वेदी, श्रद्धा नवल, विनोद मिश्रा, पूजा ठाकुर, सोनू पांडे, आंचल तिवारी, और कई अन्य कलाकार फिल्म की कहानी को जीवंत बनाएंगे। सपोर्टिंग रोल्स में संजय मिश्रा, सोनिया मिश्रा, सुजीत सार्थक, और आशीष यादव जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का संगीत ओम झा और संतोष पुरी द्वारा तैयार किया जा रहा है। भोजपुरी फिल्मों में उनकी संगीत की समझ और अनुभव ने कई हिट गाने दिए हैं, और इस फिल्म के गाने भी दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगे।

लाइफ स्टाइल

काली साड़ी में सजी दिखीं नीता अंबानी

डोनाल्ड ट्रंप की डिनर पार्टी के लिए नीता अंबानी ने अपने लिए बहुत ही सिंपल सी सिल्क की साड़ी चुनी थी, जिसे उनके लिए खासतौर पर भारत के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। यह साड़ी स्वदेश इंडिया के तहत दक्षिण भारत के हस्तशिल्पकारों के साथ मिलकर तैयार की गई थी, जिसकी एक-एक डिटेल पर बहुत ही बारीकी से काम किया गया था। इस विजिट के लिए नीता अंबानी ने खूबसूरत कांचीपुरम सिल्क साड़ी पहनी थी, जिसे कांचीपुरम के मंदिरों से प्रेरित 100 से अधिक पारंपरिक रूपांकनों के साथ डिजाइन किया गया था। इस साड़ी पर स्ट्राइप पैटर्न बनाया गया था, जिसकी एक-एक डिटेल में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर बी. कृष्णमूर्ति द्वारा बुनी गई इरुथलाइपाक्षी (भगवान विष्णु का प्रतीक दो सिर वाला ईगल), मायिल (दिव्यता और अमरता का प्रतीक) और सोर्गावसल (भारत की लोककथाओं का जश्न) जैसे जटिल डिजाइन शामिल थे।

आंखों की सुंदरता व पर्सनैलिटी को निखारने में भौंह का बहुत योगदान, कर लें तीन काम हो जाएंगी आकर्षक

घनी और आकर्षक भौहें न केवल चेहरे की सुंदरता बढ़ाती हैं, बल्कि यह आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारती हैं। बाजार में आपको बहुत सारे उत्पाद मिल जाएंगे जो आपकी भौहों को मोटा और घना दिखाने में मदद कर सकते हैं, मगर यह विकल्प स्थाई नहीं होते। बहुत से लोग पतली, कमजोर या झड़ती हुई भौहों की समस्या से जूझते हैं। आप कुछ घरेलू और प्राकृतिक उपायों को अपनाकर अपनी भौहों को घना, मजबूत और खूबसूरत बना सकते हैं।

नारियल तेल का उपयोग करें : नारियल तेल बालों की ग्रोथ के लिए सबसे बेहतरीन और प्राकृतिक उपाय है। यह न केवल भौहों को घना बनाता है, बल्कि उन्हें पोषण देकर मजबूत भी करता है।

नारियल तेल के फायदे: इसमें फैटी एसिड और विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है, जो बालों के विकास को बढ़ावा देती है। यह बालों के रोमछिद्रों को पोषण देता है और बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है। नारियल तेल में एंटी-बैक्टीरियल और

एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो भौहों के आसपास की त्वचा को स्वस्थ रखते हैं।

अरंडी का तेल कैस्टर ऑयल के फायदे : इसमें मौजूद रिकिनोलेक एसिड बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देता है। यह बालों को टूटने से बचाता है और उन्हें मजबूत बनाता है। यह स्कैल्प और त्वचा को हाइड्रेट करता है, जिससे बालों की जड़ों को पोषण मिलता है।

अन्य घरेलू उपाय जो कर सकते हैं मदद:

प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उनकी ग्रोथ को बढ़ावा देता है ।प्याज का रस निकालें और इसे भौहों पर लगाएं। 10 मिनट तक रखें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

दूध में मौजूद प्रोटीन और बायोटिन भौहों को घना बनाने में मदद करता है। एक कॉटन पैड को दूध में भिगोकर भौहों पर लगाएं। इसे 15 मिनट तक रखें और फिर धो लें।

अंडे में प्रोटीन की अधिक मात्रा होती है, जो बालों को पोषण देती है। अंडे का सफेद भाग निकालें और इसे भौहों पर लगाएं। 15-20 मिनट तक रखें और ठंडे पानी से धो लें।

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो बालों की ग्रोथ को बढ़ाते हैं। ग्रीन टी को ठंडा करके भौहों पर लगाएं। 10 मिनट तक रखें और फिर धो लें।

क्लासी लुक, स्टाइल करें लेटेस्ट डिजाइंस की टिश्यू साड़ी

फैशन

साड़ी एवरग्रीन फैशन है और अगर आप स्कूल-कॉलेज की फेयरवेल पार्टी में क्लासी लुक चाहती हैं तो आप इस तरह की साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। हर खास फंक्शन पर महिलाएं साड़ी वियर करना पसंद करती हैं ताकि वे इस मौके पर खूबसूरत नजर आए। अगर आप स्कूल-कॉलेज की फेयरवेल पार्टी में शमिल हो रही हैं और क्लासी लुक चाहती हैं तो, आप ये टिश्यू साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाली टिश्यू साड़ी दिखा रहे हैं। इस तरह की साड़ी क्लासी लुक पाने के लिए बेस्ट है तो वहीं इन साड़ी में आप बेहद ही खूबसूरत नजर आएंगी।

जरी वर्क टिशू साड़ी : क्लासी लुक के लिए आप इस तरह की जरी वर्क टिशू साड़ीस्कूल-कॉलेज की फेयरवेल पार्टी में स्टाइल कर सकती हैं। इस साड़ी को स्टाइल करने के दौरान आपका लुक खूबसूरत और अलग नजर आता है। इस तरह की साड़ी आपको कई सारे कलर और डिजाइंस ऑप्शन के साथ मिल जाएंगी। इस तरह की जरी वर्क टिशू साड़ी के साथ आप मिरर वर्क इयरिंग्स साथ ही फुटवियर में स्टाइलिश फ्लैट्स पहन सकती हैं।

मिरर और स्टोन वर्क साड़ी : स्कूल कॉलेज की फेयरवेल पार्टी में आप इस तरह के मिरर और स्टोन वर्क साड़ी का भी चुनाव कर सकती हैं जो न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। यह साड़ी सिंपल है। लेकिन, इस साड़ी के बॉर्डर पर किया हुआ वर्क आपके लुक को खूबसूरत बनाने में मदद करेगा। इस तरह की साड़ी को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन ले सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप स्टोन वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप हील्स स्टाइल कर सकती हैं।

टिशू नेट साड़ी : अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं तो आप इस तरह की टिशू नेट साड़ी भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ सस्ते कीमत में मिल जाएंगी जिन्हें आप रॉयल के साथ-साथ क्लासी लुक के लिए स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आपका कई सारे ऑप्शन के साथ मिल जाएंगी। इस तरह की साड़ी के साथ आप मिरर वर्क या सिंपल इयरिंग्स स्टाइल कर सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप मोजरी वियर कर सकती हैं।

आपकी ही खूबसूरती की होगी चर्चा जब वियर करेंगी खूबसूरत डिजाइंस वाला नेट लहंगा

शादी के मौके पर कई महिलाएं लहंगा वियर करना पसंद करती हैं जिसमें उनका लुक रॉयल नजर आता है। लेकिन, अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं और ब्यूटीफुल लुक चाहती हैं तो आप इस तरह का नेट वाला लहंगा शादी के मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। हम आपको कुछ खूबसूरत डिजाइंस के नेट वाले लहंगे दिखा रहे हैं जो आप शादी जैसे खास मौके पर ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए स्टाइल कर सकती हैं। यह लहंगा न्यू और स्टाइलिश साथ ही रॉयल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

जरी वर्क नेट लहंगा : शादी के मौके पर ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए आप इस तरह का नेट लहंगे का चुनाव कर सकती हैं। इस लहंगे में बेहद ही खूबसूरत जरी वर्क किया है साथ सिल्वर स्टोन वर्क किया हुआ है। इस लहंगे को वियर करने के बाद आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा और इस लहंगे को आप सस्ते दाम में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। यह जरी वर्क नेट लहंगा आपको बाजार या ऑनलाइन प्लेटफार्म पर मिल सकता है। इस सूट के साथ आप स्टोन वर्क या मिरर वर्क ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क नेट लहंगा : अगर आप लाइट कलर में कुछ पहनने का सोच रही हैं तो आप इस तरह का एम्ब्रॉयडरी वर्क वाले नेट लहंगे का चुनाव कर सकती हैं। इस एम्ब्रॉयडरी वर्क लहंगे में आपको कई सारे लाइट कलर के ऑप्शन मिल जाएंगे। इस लहंगे के साथ आप लहंगे के कलर के अनुसार, स्टोन या पर्ल वर्क ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं।

मल्टी-सेक्विन वर्क लहंगा : अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं तो आप इस तरह के मल्टी-सेक्विन वर्क लहंगे का भी चुनाव कर सकती हैं। इस लहंगे में बेहद ही खूबसूरत सेक्विनस वर्क किया हुआ है साथ ही ये कंट्रास्ट ब्लाउज के साथ है।

पटियाला सूट में मॉर्डन लगने के लिए ट्राई करें ट्रेंडी हेयर स्टाइल

भारत में शादी और त्योहारों के मौके पर सूट एक खास और पारंपरिक परिधान है। चाहे वह अनारकली हो, चूड़ीदार हो या फिर पटियाला सूट.. हर सूट का अपना एक अलग एलिगेंस होता है। साथ ही यह न सिर्फ आरामदायक होते हैं, बल्कि हमारे अंदर सांस्कृतिक धरोहर को भी जिंदा रहती है, लेकिन कई बार सूट एक ही तरह की वाइब्स देते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो परेशान न हों, क्योंकि हम आपको सलाह देंगे कि आप हेयरस्टाइल के साथ थोड़ा बदलाव करें। आजकल वैसे भी कई सारे हेयरस्टाइल ट्रेंड में हैं, जिससे आप अपना लुक भी सुधार सकते हैं।

पफ्ड स्लीक हाई बन : पफ्ड स्लीक हाई बन बहुत ही स्टाइलिश और एलिगेंट हेयरस्टाइल है, जो खासतौर पर शादी, त्योहारों या किसी खास मौके

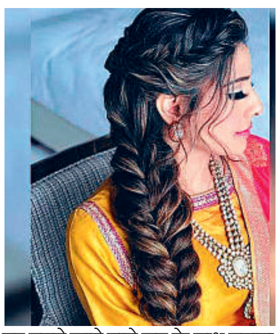

पर पहने जाने वाले सूट के साथ बनाया जाता है। इस हेयर स्टाइल में आपके बालों को सिल्की और स्मूथ तरीके से सेट किया जाता है, जबकि बन के ऊपर हल्का-सा पफ दिया जाता है।

कैसे बनाएं : सबसे पहले बालों को अच्छी तरह से कंघी करके चिकना करें। आप चाहें तो बालों में थोड़ा हेयर जेल भी लगा सकते हैं, ताकि बाल स्मूथ और शाइनी रहें। बालों के ऊपरी हिस्से को हल्के से उठाकर उसमें थोड़ा वॉल्यूम दें और उसे पिन करें। इस पफ को हल्का और नैचुरल रखें, ताकि बन में निखार आए। अब बाकी बालों को एक लोचदार एलास्टिक से ऊपर की तरफ कसकर बांध लें और एक टाइट हाई बन बना लें।

हाफ-अप हाफ-डाउन विथ ट्विस्ट

हाफ-अप हाफ-डाउन विथ ट्विस्ट हेयर स्टाइल आपको सुनने में काफी अजीब लग सकता है, लेकिन यकीन मानिए इससे पटियाला सूट और आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। इस हेयरस्टाइल में बालों के आधे हिस्से को ऊपर की तरफ खींचकर बांधा जाता है, जबकि बाकी बालों को नीचे खुला छोड़ा जाता है।

कैसे बनाएं : सबसे पहले बालों को अच्छी तरह से ब्रश कर लें, ताकि कोई गांठ न हो। बालों को मुलायम और सुलझा हुआ रखने के लिए आप बाउंसी हॉल का इस्तेमाल कर सकते हैं। बालों को बीच से या साइड से दो हिस्सों में बांट लें। बालों के ऊपर के हिस्से को उठाकर एक छोटा सेक्शन लें और उसे ट्विस्ट करें।

कार्नर न्यूज

सिल्की साड़ी से रॉयल लुक क्रिएट करने के लिए बेस्ट होती हैं

शादी में पहनने के लिए खरीदें सिल्क साड़ी के ऐसे कलर्स जिससे लुक लगे सबसे अलग

शादी शुरू हो गई हैं, ऐसे में हर हर किसी के यहां शादी का नहीं होता जरूर आया होगा जैसे ही नहीं होता आता है। सबसे पहले हमारे दिमाग में एक ही बात चलती है कि शादी में ऐसा क्या पहन कर जाए ताकि हर कोई हमारी तारीफ करें। कई सारी महिलाएं ऐसी होती है जो अपने लिए डिजाइनर साड़ी खरीदती हैं। वहीं कुछ ऐसी होती है, जो सिल्क की साड़ी पहनना सबसे ज्यादा पसंद करती है। ऐसा इसलिए क्योंकि सिल्की साड़ी से रॉयल लुक क्रिएट करने के लिए बेस्ट होती हैं। साथ ही, आप इसके साथ अलग-अलग तरीके की ज्वेलरी और एक्सेसरीज को भी स्टाइल कर पाते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि किस तरीके की कलर वाली सिल्क की साड़ी आप वेडिंग सीजन में वियर कर सकती हैं।

वाइन कलर की सिल्क साड़ी

सिल्क साड़ी में वैसे तो कई सारे कलर्स आते हैं लेकिन आजकल काफी ट्रेंड में चल रहा है वाइन कलर आप भी इस कलर की साड़ी को खरीद सकते हैं, चाहें वो बनारसी सिल्क हो या फिर चंदेरी सिल्क हर किसी का पैटर्न अलग-अलग होता है। आप भी इस तरीके की साड़ी को अलग-अलग ज्वेलरी स्टाइल के साथ वियर कर सकती है। साथ ही, सिंपल मेकअप लुक और ब्रेड हेयर स्टाइल क्रिएट करके लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। इससे आप और भी ज्यादा सुंदर और एलिगेंट लगेंगी। साथ ही, ट्रेंड करने वाले कलर को स्टाइल कर पाएंगी।

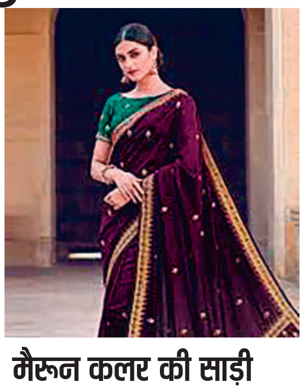

मैरून कलर की साड़ी करें स्टाइल

मैरून कलर की साड़ी वैसे तो हर किसी पर जचती है लेकिन अगर आपके घर में किसी खास की शादी है, तो उसके लिए आप इस कलर वाली साड़ी को बनारसी सिल्क में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। साथ ही, इसका जो बॉर्डर होगा उसमें भी गोल्डन कलर मिलेगा। आप जब इसे खरीदेंगी तो प्रिंट और डिजाइन का ध्यान रखें।

येलो कलर की सिल्क साड़ी

अगर आपको डार्क और ब्राइट कलर पहनना पसंद है, तो इसके लिए आप येलो कलर की साड़ी को खरीद सकती हैं। येलो कलर में भी आपको सिल्क फैब्रिक में कई सारे कलर्स टोन मिल जाएंगे। जिसे आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से खरीदकर शादी में वियर कर सकती हैं। इसके साथ आप चाहें तो बॉर्डर से मैचिंग ज्वेलरी और साड़ी के कलर के हिसाब से मेकअप लुक क्रिएट कर पाएंगी।

बाजार में और भी हैं बेहतरीन कलर वाली साड़ियां

इस बार वेडिंग सीजन में इन कलर्स को मिस ना करें। इन्हें जरूर स्टाइल करें और अच्छी-अच्छी फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करें। इसे देखकर हर कोई अपनी वॉर्डरोब में कलेक्शन में इन कलर्स को जरूर रखना चाहेगा।